विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शुक्रवार, 9 मई 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 144 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

जिस प्रकार जल कमल के पत्ते पर नहीं ठहरता है, उसी प्रकार मुक्त आत्मा के कर्म उससे नहीं चिपकते हैं।

▶▶ छांदोग्य उपनिषद

जय हिंद की सेना कर रही कमाल

न्यूज इन शॉर्ट

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट लाने की तैयारी में स्टारलिंक को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को देश में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए हरी झंडी दिखा दी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने

स्टारलिंक को लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी कर दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी अब भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने के लिए अगला कदम उठा सकती है। स्टारलिंक से पहले भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए यूटेलसैट वनवेब और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस को लाइसेंस मिल चुका है। अब स्टारलिंक के जुड़ने से प्रतिस्पर्धा और विकल्प दोनों बढ़ेंगे। स्टारलिंक, अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स का प्रोजेक्ट है, जिसे 2002 में दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने शुरू किया था।

नए पोप का ऐलान, रॉबर्ट प्रीवोस्ट बने सबसे बड़े ईसाई धर्मगुरु

नई दिल्ली, एजेंसी। वेटिकन सिटी में सिस्टिन चैपल की चिमनी से सफेद धुएं का गुबार उठ गया है। इसका मतलब है कि कैथोलिक चर्च के कार्डिनल्स ने अगले पोप को चुन लिया है। गुरुवार को सेंट पीटर के स्क्वेयर में सीनियर

कार्डिनल्स ने ऐलान किया कि अमेरिका के रॉबर्ट प्रीवोस्ट कैथोलिक चर्च के नए पोप होंगे और उन्हें पोप लियो XIV के नाम से जाना जाएगा। रॉबर्ट प्रीवोस्ट पहले अमेरिकी पोप हैं। पोप लियो सेंट पीटर्स बेसिलिका की सेंट्रल बालकनी में सिस्टिन चैपल की चिमनी से सफेद धुआं निकलने के करीब 70 मिनट बाद दिखाई दिए। फिर स्पष्ट हुआ कि 133 कार्डिनल निर्वाचकों ने कैथोलिक चर्च के लिए एक नया नेता चुन लिया है। नए पोप के रूप में रॉबर्ट प्रीवोस्ट के नाम की घोषणा फ्रांस के कार्डिनल डोमिनिक माम्बरटी ने की।

तीन चरणों में होगी नीट काउंसलिंग 13 मई से शुरू होगा पंजीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने नीट सुपर-स्पेशलिटी काउंसलिंग का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस साल की काउंसलिंग तीन राउंड में की जाएगी। पहले राउंड का रजिस्ट्रेशन 13 मई 2025 से शुरू होगा।

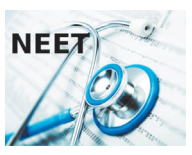

काउंसलिंग शुरू होने से पहले, 12 मई 2025 को संस्थान अपनी सीट मैट्रिक्स की पुष्टि करेंगे। इसके बाद छात्र 13 से 18 मई के बीच ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और शुल्क भुगतान कर सकते हैं। पंजीकरण दोपहर 12 बजे तक, जबकि शुल्क दोपहर 3 बजे तक किया जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद, उम्मीदवारों को अपनी पसंद के कोर्स और कॉलेज चुनने का मौका मिलेगा। यह चॉइस फिलिंग विंडो 14 से 18 मई, 2025 तक खुली रहेगी। 18 मई को शाम 4 बजे से रात 11:55 बजे तक छात्र अपनी चॉइस को लॉक कर सकेंगे।

सरकार को सुप्रीम निर्देश, कॉलेजियम की सिफारिशों को दी जाए मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर कॉलेजियम की सिफारिशों को

शीघ्रता से मंजूरी दे। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कई सिफारिशें केंद्र के पास लंबित हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में लंबित मामलों को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि देश के उच्च न्यायालयों में 7,24,192 आपराधिक अपीलें लंबित हैं। इसमे अकेले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 2.7 लाख मामले लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बताया था कि नवंबर 2022 से अब तक हाईकोर्ट जजों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 221 नामों का अनुमोदन किया है।

भारत का दमदार काउंटर अटैक, लाहौर-सियालकोट-कराची और इस्लामाबाद में बरसाए गोले

ऑपरेशन सिंदूर : पाक का हर वार हो रहा बेकार

पाकिस्तान के एफ-16 और जेएफ-17 विमान खाक, जम्मू से जैसलमेर तक ड्रोन अटैक को काट रहा 'सुदर्शन'

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान की ओर से जम्मू से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया है। पाकिस्तान की ओर से किए गए इस ड्रोन अटैक के कारण जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब के कई शहरों में ब्लैक आउट कर दिया गया है। कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट किए जाने की खबर सामने आई है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से सामने आई जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को नाकाम कर दिया गया है। जम्मू ,सांबा, पठानकोट और आरएस पूरा में पाक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया है। इंटरनेशनल बॉर्डर पर भीषण गोलाबारी की जा रही है। भारतीय सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान के अत्याधुनिक विमान एफ-16 और जेएफ-17 को मार गिराया है। इसके अलावा पाकिस्तान के 8 मिसाइल और दर्जनों ड्रोन को भी मार गिराया गया है। पाक मिसाइल और ड्रोन को मार गिराने में एस400 का इस्तेमाल का किया गया है। दरअसल जम्मू में पाकिस्तान ने कई जगह पर ड्रोन से अटैक करने की कोशिश की है। कुछ स्थानीय लोगों ने पाकिस्तान के इस ड्रोन अटैक के वीडियो बनाए हैं। आसमान में लाल रोशनियां तैरती हुई दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक पूरी तरह से मुस्तैद भारतीय सेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने इस हमले को नाकाम कर दिया है। सरकारी बयान के अनुसार पाकिस्तानी गोलीबारी के कारण 16 निर्दोष लोगों की जान चली गई है, जिनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं. यहां भी, भारत को पाकिस्तान की ओर से मोर्टार और आर्टिलरी की गोलीबारी को रोकने के लिए जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

भारत ने कहा- पड़ोसी मुल्क जन्म से झूठा, उसने राजकीय सम्मान देकर आतंकियों का जनाजा निकाला

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे दावों को सिरे से खारिज करते हुए गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में 10 बड़े झूठों का पर्दाफाश किया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने स्पष्ट किया कि भारत का निशाना सिर्फ आतंकी ढांचे पर था, न कि आम नागरिकों या धार्मिक स्थलों पर। भारत ने बताया कि पाकिस्तान लगातार संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक मंचों पर झूठ गढ़ता रहा है – चाहे बात टीआरएफ को नकारने की हो, या आतंकियों को राजकीय सम्मान देने की। भारत ने कहा कि उसने सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ जवाब दिया है, और आगे भी ऐसी सख्ती जारी रहेगी।

पाकिस्तान के 10 झूठ

- **भारत उकसा रहा है:** असल में हमला पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने किया, भारत ने सिर्फ जवाब दिया।
- **टीआरएफ का कोई अस्तित्व नहीं:** भारत ने बताया कि टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा आतंकी संगठन है जिसे पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में छुपाना चाहता है।
- **आतंकियों को पनाह नहीं दी जाती:** भारत ने याद दिलाया कि ओसामा बिन लादेन और साजिद मीर जैसे आतंकी पाक में ही मिले हैं।
- **संयुक्त जांच से सच सामने आएगा:** पाकिस्तान ने पहले भी पठानकोट और मुंबई हमलों की जांच में सहयोग नहीं किया।
- **आम नागरिक मारे गए:** भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, मारे गए लोगों के जनाजों में पाक सेना अफसर शामिल थे।
- **धार्मिक स्थलों पर हमला हुआ:** भारत ने किसी धार्मिक स्थल को निशाना नहीं बनाया; उल्टा, पाक ने पुंछ में सिख परिवारों पर हमला किया।
- **हम जवाब दे रहे हैं:** भारत ने स्पष्ट किया कि जवाब पाकिस्तान के आतंकवादी उकसावे के बाद दिया गया।
- **भारत ने बांधों पर हमला किया:** भारत ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, बांध पर हमला करने का दावा झूठा है।
- **जल संधि का उल्लंघन हुआ:** भारत ने संधि का लंबे समय तक पालन किया, लेकिन पाकिस्तान के लगातार उकसावे के कारण पुनर्विचार की स्थिति बनी।
- **भारत के ड्रोन और विमान गिराए:** पाकिस्तान ने ऐसा कोई सबूत नहीं दिया, यह सिर्फ झूठा प्रचार है, जैसा वह 1947 से करता आया है।

25 से अधिक हवाई अड्डे अस्थायी रूप से बंद

इस बीच भारत सरकार ने उत्तरी, पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में 25 से अधिक हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, यह निर्णय 10 मई, 2025 तक प्रभावी है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एयरमैन को नोटिस (नोटम) जारी किए, जिसके कारण लेह, चंडीगढ़, अमृतसर और जोधपुर जैसे प्रमुख केंद्रों सहित 27 हवाई अड्डों पर परिचालन स्थगित कर दिया गया। इस चलते लगभग 430 उड़ानें रद्द हो गईं, जो भारत की निर्धारित उड़ानों का लगभग 3 प्रतिशत है। प्रभावित हवाई अड्डों में पंजाब में लेह, अमृतसर, चंडीगढ़, पटियाला और हलवारा; हिमाचल प्रदेश में शिमला और धर्मशाला; राजस्थान में जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर और किशनगढ़; और गुजरात में भुज, जामनगर, राजकोट, मुंद्रा, पोरबंदर, कांडला और केशोद शामिल हैं।

पीएम मोदी स्वयं लगातार ले रहे पल-पल की अपडेट

ऑपरेशन सिंदूर पर हर घटनाक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं मॉनीटर कर रहे है। वे लगातार संबंधित अधिकारियों से लगातार मीटिंग्स का दौर जारी है। इस बीच गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हाल के घटनाक्रमों के

मद्देनजर राष्ट्रीय तैयारियों और अंतर-मंत्रालयी समन्वय की समीक्षा के लिए केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने परिचालन निरंतरता और संस्थागत लचीलेपन को बनाए रखने के लिए मंत्रालयों और विभिन्न एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए मंत्रालयों द्वारा की गई योजना और तैयारी की समीक्षा की। सचिवों को अपने-अपने मंत्रालय के संचालन की व्यापक समीक्षा करने और आवश्यक प्रणालियों के पूर्ण-सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें तत्परता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आंतरिक संचार प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय बैठक सकारात्मक

मूल्यवान सुझावों पर होगा गंभीरता से विचार: रिजिजू

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया

से कहा, आज सर्वदलीय बैठक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बहुत अच्छे से हुई है। गंभीर विषय था इसलिए सभी ने गंभीरता से अपने बात रखी। सबसे पहले रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सभी ने अपना मत रखा और सुझाव भी दिए। सभी नेताओं ने सेनाओं को बधाई भी दी। कहा कि हम एकजुट हैं और सेना की हर कार्रवाई में साथ देंगे। मैं सभी नेताओं को धन्यवाद करता हूं और ये सकारात्मक बैठक थी।

सरकार को कांग्रेस का पूरा समर्थन: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी ने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस मुद्दे पर चर्चा

की जाए, ताकि सांसद अपने विचार रख सकें और इससे जनता का विश्वास बढ़े। हालांकि, सरकार ने इस सुझाव पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, "हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इशारों में पूरे विश्व को बताया

भारत आतंकवाद के खिलाफ चुप बैठने वाला नहीं

विजय मत, ब्यूरो ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इशारों में ही पूरे विश्व

को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ चुप बैठने वाला नहीं है। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' एक सटीक हमला था। इस हमले से भारत ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि भारत ने पूरे विश्व को संदेश दिया है कि भारत आतंकवादियों के विरूद्ध लड़ाई में नेतृत्व करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। यह आतंकवाद को खत्म करने की लड़ाई है। सिंधिया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में, हमारी तीनों सेनाओं ने आतंकवादियों को हमेशा के लिए खत्म करने का काम किया है। आज, भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है। सिंधिया ने कहा यह युद्ध आतंकवादियों के विरुद्ध है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान पर भारत का जल प्रहार

भारत ने सलाल और बगलिहार डैम के गेट खोले, बढ़ सकती है पाक की मुसीबत

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर प्रहार करने की शुरुआत उसका पानी रोककर किया था। इसके तहत चिनाब नदी पर बने सलाल और बगलिहार डैम के सभी गेट बंद कर दिए गए थे। लेकिन, अब भारत ने पाकिस्तान पर दोहरी मार की है। भारत ने दोनों डैम के सभी गेट एक साथ खोल दिए हैं। इससे एक साथ नदी में अधिक पानी जाने से पाकिस्तान में बाढ़ के हालात बन सकते हैं। भारत ने जम्मू-कश्मीर में दो जलविद्युत बांधों - सलार बांध और बगलिहार बांध के कुछ गेट खोल दिए हैं। बांध के आसपास के इलाकों में हाल में भारी बारिश के बाद भारत ने ये कदम उठाया है। दोनों बांधों के जलाशयों को पिछले शुक्र वार और शनिवार को गाद निकालने की प्रक्रि या की वजह से पानी का स्तर काफी घट गया था। भारत की इस कार्यवाई की वजह से दो दिन पहले पाकिस्तान की ओर बहने वाली चेनाब नदी में जम्मू के अखनूर इलाके में पानी का स्तर कमर से भी नीचे चला गया था।

यूजीसी से मिली अनुमति

शिकागो का इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भारत में खोलेगा कैंपस

नई दिल्ली, एजेंसी। शिकागो का इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भारत में अपना परिसर स्थापित करने वाला है। इसके लिए संस्थान को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मंजूरी भी मिल गई है। यह भारत में परिसर स्थापित करने के लिए यूजीसी से मंजूरी पाने वाला पहला अमेरिकी विश्वविद्यालय है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत में इलिनोइस का

परिसर 2026 की शरद ऋतु में मुंबई में स्थापित किया जाएगा और इसमें कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और व्यवसाय जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की पेशकश की जाएगी। इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष राज एचमबाडी ने कहा, इलिनोइस टेक की स्थापना सभी के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार तक पहुंच को आसान बनाने के लिए की गई थी।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफे से इनकार, सीजेआई ने राष्ट्रपति और पीएम को भेजी रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास से कैश मिलने के मामले में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक गंभीर पत्र लिखा है। पत्र के साथ दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन और इलाहाबाद हाईकोर्ट के वर्तमान जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच कर रही तीन-सदस्यीय समिति की रिपोर्ट और न्यायमूर्ति वर्मा की प्रतिक्रिया को संलग्न किया गया है। यह पत्र 'इन-हाउस प्रोसीजर' के अंतर्गत भेजा गया है। सूत्रों के अनुसार, समिति की रिपोर्ट के आधार पर सीजेआई ने न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का सुझाव दिया था। लेकिन न्यायमूर्ति वर्मा ने इसे सिरे से खारिज कर दिया और पद पर बने रहने का फैसला किया, जिससे मामला और गंभीर हो गया। नियुक्त समिति द्वारा नकदी बरामदगी मामले में जस्टिस वर्मा पर अभियोग लगाया गया है।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में 1119 जोड़ों को सीएम ने दिया आशीर्वाद

सामाजिक समरसता का प्रतीक है सामूहिक विवाह : सीएम मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समाज में समरसता, एकता और मितव्ययिता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि एक ही मंडप में कई जोड़ों का विवाह होना सामाजिक चेतना और बदलती सोच का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास से सागर जिले की नरयावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रजाखेड़ी बजरिया (मकरोनिया) में सम्पन्न सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर्चुअली शामिल हुए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 1119 जोड़ों का एक ही मंडप में विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब सामूहिक विवाह समाज द्वारा प्रसन्नतापूर्वक सहजता से अपनाए जा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि हमारे समाज की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है। यह बेहद प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के वैवाहिक आयोजनों से वर-वधू दोनों ही पक्षों का आर्थिक बोझ कम हो जाता है और इससे सामाजिक एकता को भी बल मिलता है। खजुराहो सांसद

बेटियों के हित में पूरी सरकार साथ: वीडी

भाजपाध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने वर-वधू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि समाज के जरुरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह का जिम्मा अब सरकार ने ले लिया है। बेटियों के हित में पूरी सरकार साथ हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने देश में एक मिसाल पेश की है। यहां धन के अभाव के कारण किसी गरीब परिवार को अपनी बेटी के विवाह के लिए कर्ज नहीं लेना पड़ता। यहां सरकार कन्यादान योजना में अपने खर्च पर बेटियों का विवाह कराती है।

सद्भाव, सहयोग एवं सादगी को प्रोत्साहित करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी से आत्मीय अपील की कि हम सब इसी प्रगतिशील सोच को अपनाएं और समाज में सद्भाव, सहयोग एवं सादगी को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से अब तक लाखों जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। यह योजना जरुरतमंद परिवारों के लिए एक वरदान की तरह है। उन्होंने वर-वधू से कहा कि वे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ें। हमारी सरकार सबके रोजगार और सबके हितों की चिंता कर रही है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए हितानंद शर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

सिंधु नदी का जल रोकने पर बोले कृषि मंत्री शिवराज

छह राज्यों के किसानों को होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंधु जल समझौता को लेकर बड़ा एलान किया है।

चौहान ने कहा कि साल 1960 में जो सिंधु जल संधि हुई थी, वो एक ऐतिहासिक गलती थी। देश और किसानों का दुर्भाग्य रहा कि हमारे देश से बहने वाली नदियों का 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया गया, इसलिए पहलगाम आतंकी घटना के बाद सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया गया है। सिंधु नदी के पानी पर हमारे किसानों का हक है, एक-एक बूंद का उपयोग खेती,बिजली और विकास में करेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल-प्रदेश के किसानों के लिए सिंचाई के लिए अधिक पानी मिल सकेगा। आज हमने किसानों की मेहनत से अन्न के भंडार भर दिए हैं। उत्पादन लगातार बढ़ रहा है। मैं अपने वैज्ञानिकों को बधाई दूंगा। अभी हमने चावल की दो किस्में विकसित की है, जिससे उत्पादन बढ़ेगा, 20 दिन पहले फसल तैयार हो जाएगी।

विशेषज्ञों ने शोध के बाद किसानों को दी सलाह

भूमि की उर्वरा शक्ति को घटाती हैं गर्मियों में मूँग की फसलें

विजय मत, भोपाल

हरित क्रांति से हमारे देश ने खाद्यान्न उत्पादन में आत्म-निर्भरता हासिल कर ली है। आज मध्यप्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, अनाज के साथ-साथ दलहन के शीर्ष तीन उत्पादक राज्यों में मध्यप्रदेश एक है। यहाँ के किसान न केवल अनाज, तिलहन और दलहन का उन्नत उत्पादन करते हैं। माइक्रो इरिगेशन, सुनिश्चित आवश्यक बिजली प्रदाय और सुलभ ऋण तक बेहतर पहुंच के कारण उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसलों की खेती से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हम समय के साथ नवीन समस्याओं का भी उदय देख रहे हैं, जिनका समाधान किया जाना भी आवश्यक है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के ग्वालियर वाईस चांसलर रहे प्रो. (डॉ.) विजय सिंह तोमर का कहना है कि किसान वर्तमान में ग्रीष्मकालीन मूंग की खेती बड़े स्तर पर कर रहे हैं। जो 10 साल पहले तक, बड़े पैमाने पर खरीफ में की जाती थी और यह पर्यावरण के लिए अनुकूल थी। इसकी खेती वर्षा आधारित परिस्थितियों में की जाती थी। मूंग के पौधों की जड़ों में नाइट्रोजन फिक्सिंग बैक्टीरिया की मौजूदगी होने से यह फसल मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाती है। आज मूंग की खेती का क्षेत्रफल तीन गुना से भी अधिक बढ़ गया है, लेकिन यह फसल गर्मियों में उगाई जाने लगी है, इसलिए इससे भू-जल स्तर का अत्यधिक दोहन लगातार हो रहा है। किसान मूंग की बोनी जल्द करने के लिए फसलों के अवशेषों को जलाने पर जोर देते हैं। जिसके दुष्परिणाम सामने आते हैं। इसके अलावा गर्मी के मौसम में मूंग की अतिरिक्त सिंचाई से बिजली की खपत में भी वृद्धि होती है। राज्य सरकार ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। किसानों को नरवाई के सही उपयोग के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शीला दाहिमा को सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से किया सम्मानित

विजय मत, भोपाल। *21 अप्रैल को प्रशासन अकादमी में आयोजित समारोह में चयनित शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन द्वारा 1 लाख रुपये व प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था। सुश्री शीला दाहिमा भोपाल से बाहर रहने के कारण समारोह में शामिल नहीं हो सकीं थी। उन्हें मंत्रालय में विशेष रूप से सीएम एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित करते मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव।*

सेंसेक्स में 400 से अधिक निफ्टी में 140+ अंकों की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात का असर शेयर बाजार पर भी दिख रहा है। बृहस्पतिवार को पूरे दिन के कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक- सेंसेक्स 411.97 अंक गिरकर 80,334.81 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 140.60 अंक गिरकर 24,273.80 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया भी 84 पैसे टूटकर 85.61 पर बंद हुआ। तनाव के बीच पाकिस्तानी शेयर बाजार- कराची स्टॉक एक्सचेंज में 6 फीसदी से अधिक की गिरावट की खबर है।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

मृतक की हुई शिनाख्ती , जांच में जुटी पुलिस

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत ग्राम खिचकिड़ी स्थित सोन नदी घाट पर शनिवार को मिली अज्ञात युवक के लाश की शिनाख्ती कर ली गई है। बताया जाता है कि युवक ग्राम मसीरा जिला शहडोल का रहने वाला था,इसकी पहचान शिवानन्द पिता बिंदा कोल उम्र करीब 30 वर्ष के रूप में हुई है। विदित हो कि 03 मई को खिचकीड़ी स्थित चतुर्भुज मंदिर के पीछे मिली थी।इस जघन्य वारदात में अज्ञात आरोपियों ने युवक का गला धारदार हथियार से निर्ममता से काट दिया था,इसके अलावा शरीर मे भी कई जगह गहरे जख्म मिले थे।शव मिलने के बाद से ही पुलिस मृतक के शिनाख्ती में जुटी थी,सीमावर्ती जिलों में भी इसकी पहचान को लेकर हर सम्भव प्रयास किये जा रहे थे।घटना के बाद से ही कई दिनों तक शव को सुरक्षित मानपुर अस्पताल में रखा भी गया था,परन्तु युवक की शिनाख्ती के हर सम्भव प्रयास विफल होने की वजह से मंगलवार को पुलिस ने शव को दफना दिया था।युवक की शिनाख्ती के बाद अब हत्या में शामिल आरोपियों की तलाश में मानपुर पुलिस जुट गई है,खबर यह भी है कि गांव के कुछ लोगों से इस सम्बंध में पूछताछ भी की जा रही है।

चंदिया में तीन दिवसीय उर्स आज से प्रारंभ होगा

उमरिया। चंदिया के हजरत नौगजा शाहदाता रहमतुल्लस अलैह के तीन दिवसीय उर्स का आगाज आज 9 मई को होगा। उर्स कमेटी के अध्यक्ष अब्दुल नसीब खान ने बताया कि प्रथम दिन 9 मई को शाही चादर संल जुलूस निकलेगा तथा जलाल अजमेरी जामनगर गुजरात व्दारा कव्वाली की प्रस्तुति दी जाएगी। इसी तरह 10 मई को सिराज चुरती बडोदरा गुजरात तथा गीता चिश्ती दिल्ली के कव्वाली का प्रोग्राम आयोजित होगा। इसी तरह 11 मई को नौशाद अली खान मुंबई तथा गुलजार नाजा मुंबई व्दारा कव्वाली प्रस्तुत की जाएगी। विदित हो कि तीन दिवसीय आयोजित होने वाले उर्स की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई। इस उर्स में जिला मुख्यालय सहित अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग आते है और तमाम रात कव्वाली का आनंद उठाते है।

जान से मारने की धमकी देने पर मामला कायम

उमरिया। पाली थाना ग्राम हथपुरा में आरोपी व्दारा फरियादीसे गाली गालौज करते हुए जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है । जानकारी अनुसार सूरज प्रसाद यादव पिता सुखेदव यादव उम्र 67 साल निवासी ग्राम हथपुरा की शिकायत पर आरोपी राजू यादव पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत छपरौड़ तिराहा के आगे ग्राम देवरी में आरोपी चालक व्दारा एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार घटना में रामकृपाल साहू पिता राम गोपाल साहू उम्र 35 साल निवासी दुलहरा की मौत हो गई । पुलिस ने काले रंग की मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 54 जेड ए 1763 के चालक पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

मोटर सायकिल चोरी होने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत घंघरी में अज्ञात आरोपी व्दारा मोटरसायकिल चुरा ली गई । फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है। जानकारी अनुसार रिकू खटिक पिता पन्नालाल खटिक उम्र 30 साल निवासी घंघरी ने बताया कि उसकी स्पलेंडर मोटर सायकिल क्रमांक एमपी 54 एमई 4918 अज्ञात आरोपी व्दारा चुरा ली गई है जिसकी कीमत 35 हजार रूपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

अवैध शराब जप्त

उमरिया। इंदवार थाना अंतर्गत ग्राम उमरिया बकेली में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध शराब जप्त की है। जानकारी अनुसार इस मामलें मे पुलिस ने प्रदीप बर्मन पिता परदेशी बर्मन पर कार्यवाही करते हुए 5 लीटर हाथ भटटी से बनी कच्ची महुआ की शराब जप्त की है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता के बिगड़े बोल' आहत हुआ पत्रकार समुदाय

'जमीन में ही बैठने लायक हैं पत्रकार यहीं बैठे रहने दो.

भाजपा नेता द्वारा पत्रकारों के लिए ऐसे शब्द बोलना निंदनीय- कांग्रेस'

विजय मत, उमरिया

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना में भाजपा के वरिष्ठ नेता के बिगड़े बोल ने जिले भर के पत्रकारों को आहत कर दिया है मामला गुरुवार को उस दौरान का है जब कार्यक्रम को कवरेज करने के दौरान पत्रकारों को बैठने तक के लिए जगह नहीं थी, सत्ता में चूर नेताओं ने अधिकारियों की आवभगत को स्वीकार करते हुए आम जन और पत्रकारों को भूल गये। इस बात के लिए नाराज पत्रकार शांति पूर्ण रुप से जमीन में ही बैठना स्वीकार्य किया और बैठ गये, जिसको लेकर सभी ने इस पर आपत्ति जताई मगर जबाब में यहीं मिला कि जब जगह ही नहीं है तो कहां बैठे, पत्रकारों की जगह को नेताओं ने घेर रखा है और मंत्री जी की खुशामद में लगे रहें, इसी दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथलेश मिश्रा ने भरे मंच में कहा कि 'पत्रकार इसी लायक हैं और इनकी जगह भी यही है' इतना कहते ही पत्रकार भड़क गये और कड़ी आपत्ति जताई, बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने मोर्चा संभाला और पत्रकारों के लिए आरक्षित बैठक व्यवस्था को खाली कराया जहां फिर पत्रकार बैठे। एक बड़े ओहदे में बैठे जिम्मेदार भाजपा के नेता को इस तरह की बयान बाजी नहीं करनी चाहिए, एक ओर पहलगाम हमले के बाद पूरा देश एक है और हर कदम पर मीडिया सेना और सरकार के साथ खड़ी है, लेकिन सत्ता में मदमस्त भाजपा नेता ने पत्रकारों के लिए ऐसे शब्दों का उपयोग किया जिसकी सभी पत्रकार कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं, साथ ही इस बात की शिकायत भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी से लेकर प्रदेशाध्यक्ष से की जायेगी। इस मामले को लेकर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा ने कहा कि भाजपा संविधान से हटकर हर कार्य करती है और संविधान के सभी स्तंभों का अपमान करना इनकी मंशा होती है, पत्रकारों के लिए इस तरह की टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक है।

रसूखदारों व्दारा अतिक्रमण कर वसूला जा रहा किराया

उमरिया। इन दिनों नगर में अतिक्रमण की बाढ सी आ गई है। जिसका जहां पर मन पड़ रहा है वहीं पर अतिक्रमण कर रहा है। फुटपाथ पर लोगों व्दारा अतिक्रमण कर जहां एक ओर आवागमन में दिक्कते पैदा कर रहे है वहीं दूसरी ओर षाम होते ही मुख्य मार्गो पर रोज एक ठेला रख लिया जाता है। षहर के मुख्य मार्ग की बात करें तो स्टेट बैंक से लेकर रानी दुर्गावती चौराहे तक सकरी से सकरी जगह पर बडे बडे ठेले रखकर लोगों व्दारा अतिक्रमण किया जा रहा है। इतना ही नही कुछ रसूखदार लोग अपने नाम का उपयोग करते हुए ठेला रखकर उसे किराये पर भी दे रखे है। इस बार की बात करें तो आये दिन यहां पर दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है । यह कहे कि एक तरह से ये एक्सीडेंटल प्वाइंट बन चुका है। षाम होते ही इन ठेलों के आस पास आसामाजिक तत्वों का जमघट लगने लगता है । इन लोगो के दो पहिए वाहन भी सडको पर खडे कर दिए जाते है जिसके चलते राहगीरों को कई तरीके की परेषानियों का सामना करना पडता है। षाम को ऐसा लगता है कि स्टेट बैंक से लेकर रानी दुर्गावती चौराहे तक का मार्ग पार्किंग स्थल बन गया है। नगर पालिका ने करोड़ो रूपये खर्च कर सड़को का निर्माण कराया है । सौदर्यीकरण एवं सुरक्षित यातायात के लिए सडको पर डिवाईडर भी बनवाया है। षहर की सुंदरता को अतिक्रमण कर बदसूरत करनें का काम अतिक्रमणकारियों व्दारा किया जा रहा है। यह सब देखते हुए यह कहा जा सकता है इन मामलों को देखने की जिम्मेदारी जिनकी है वे आंख मूंदे हुए है। लोगो का कहना तो यह है कि इस समय नगर पालिका व्दारा अतिक्रमणकारियों को मूक सहमति दे दी गई है। जिसके चलते सडको के किनारें बडे बडे ठेले , गुमटियां लगाकर अतिक्रमण किया जा रहा है इतना ही नही विद्युत विभाग व्दारा बिजली कनेक्षन भी प्रदान किया गया है । एक दुकान में मीटर लगाकर दुकानदारों व्दारा कई लोगों को कनेक्षन भी प्रदान किया जा रहा है।

इनका कहना है

हाल ही में न्यायालय परिसर से लेकर गांधी चौक तक के अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई थी । आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी ।
धरणेन्द्र कुमार जैन कलेक्टर उमरिया

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र में बढ़ाई गई सुरक्षा, अनावश्यक व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित

विजय मत, उमरिया

जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है। भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनावपूर्ण हालातों के मद्देनजर विद्युत केंद्र की सीमा में अनावश्यक व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन ने यह निर्णय एहतियातन तौर पर लिया है ताकि किसी भी संभावित खतरे से केंद्र की सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके। केंद्र के मुख्य अभियंता एच.के. त्रिपाठी ने बताया कि जबलपुर से प्राप्त उच्चस्तरीय निर्देशों के तहत यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में केंद्र की कालोनी सहित पूरे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक कड़ा कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब केवल आवश्यक और प्राधिकृत व्यक्तियों को ही केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी।

इसके साथ ही सभी कर्मचारियों और निवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे सुरक्षा कर्मियों द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करें। परिसर के अंदर और बाहर के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है तथा समय-समय पर औचक निरीक्षण भी किए जा रहे हैं। मुख्य अभियंता ने यह भी कहा कि यह कदम केवल वर्तमान सुरक्षा परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है और यह अस्थायी व्यवस्था है, जो स्थिति सामान्य होने पर समीक्षा के उपरांत समाप्त की जा सकती है। विद्युत केंद्र प्रशासन ने स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों से संयम बरतने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में संयम और जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है और सभी को मिलकर इस चुनौतीपूर्ण समय में सहयोग करना चाहिए।

बांधवगढ़ में मिला कुएं में मृत तेंदुआ,जांच में जुटा प्रबंधन

उमरिया।बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर के बटूरा बाह पी एफ 628 के नजदीक महरोई गांव के खोलसाहार के राजस्व क्षेत्र में बिना मुंडेर के कुएं में तेंदुआ का शव मिला है। संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने की जानकारी के बाद मौके पर अधिकारियों की टीम पहुंच कर जांच में जुट गई है । डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया गया है,सहायक संचालक बस बीएस उप्पल ने बताया कि शव मिला है जांच की जा रही है पोस्टमार्टम के बाद कारण स्पष्ट हो पाएगा।

सामुदायिक स्वास्थय केंद्र मानपुर का सीएमएचओ ने किया निरीक्षण

उमरिया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा एस बी चौधरी ने विगत दिवस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर का औचक निरक्षण किया । निरिक्षण के दौरान उन्होने प्रसव कक्ष, अन्तः भर्ती कक्ष, बाह्य रोगी कक्ष, लैब कक्ष, एएनसी और पीएनसी वार्ड में प्रदाय की जाने वाली स्वास्थ्य सेवायो एवं उपलब्ध स्टोर में दवाइयां का अवलोकन किया । साथ ही अस्पताल के अंदर तथा बाहर विद्युत व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था के साथ साथ साफ सफाई के लिए निर्देश दिये । इस दौरान उन्होने भर्ती मरीजों से अस्पताल व्दारा उपलब्ध कराई जा रही दवाईयों तथा उनसे स्वास्थय के संबंध में जानकारी प्राप्त की ।

कलेक्ट्रेट परिसर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

अनूपपुर / कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी हुई है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति/संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल/संगठन/आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस/आमसभा या नारेबाजी/ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिवस पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। प्रतिबंधात्मक आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा-188 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील होगा।

शहडोल से दस्तयाब हुई गुमशुदा नाबालिग, कोतवाली पुलिस ने परिजनों को सौंपा

सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल से मिला सुराग, पुलिस की तत्परता से परिजनों ने ली राहत की सांस

विजय मत, अनूपपुर

जिले की कोतवाली पुलिस ने 16 वर्षीय गुमशुदा नाबालिग बालिका को शहडोल से दस्तयाब कर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक परिवार को राहत मिली है, वहीं बालिका की सुरक्षित वापसी ने पुलिस की सक्रियता को भी रेखांकित किया है।

पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देश पर जिले में लापता नाबालिगों की खोजबीन के लिए सभी थानों को सतर्क किया गया है। इसी क्रम में कोतवाली अनूपपुर पुलिस ने 18 अप्रैल 2025 को दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट पर गंभीरता से काम किया।

रिपोर्ट के अनुसार, अनूपपुर कोतवाली क्षेत्र के एक ग्रामीण की 16 वर्षीय पुत्री अचानक बिना बताए घर से चली गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 182/25 धारा 137(2) बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मोबाइल कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज ने खोला रास्ता

टीआई अरविंद जैन के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक संतोष पांडे, प्रधान आरक्षक महेंद्र राठौर और महिला आरक्षक अंकिता सोनी की टीम ने लगातार प्रयास करते हुए मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल और सीसीटीवी फुटेज की मदद से बालिका की लोकेशन ट्रेस की। आखिरकार उसे शहडोल से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा गया।

पुलिस की तत्परता पर परिजनों ने जताया आभार

बालिका की सुरक्षित वापसी पर परिजनों ने अनूपपुर पुलिस का आभार जताया है। वहीं एसपी मोती उर रहमान ने टीम की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए जिले में ऐसे मामलों में और अधिक सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

जिला चिकित्सालय में रंगोली के माध्यम से वायु प्रदूषण को रोकने का दिया गया संदेश

उमरिया । मुख्य चिकित्सा एवं स्वा0 अधिकारी डा एस बी चौधरी ने बताया कि जिला चिकित्सा लय उमरिया में वायु प्रदूषण रोकथाम एवं उससे स्वा0 पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में रंगोली के माध्यम से संदेश दिया गया । इस अवसर पर सिविल सर्जन डा के सी सोनी, आर एम ओ डा संदीप सिंह, नंदिनी पांडेय, समस्त पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

युवक ने लगाई फांसी

उमरिया । नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम रानीदादर में युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी अनुसार मृतक युवक का नाम रोहित सिंह पिता स्व0 फूल सिंह उम्र 18 साल निवासी ग्राम लुगदरा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

सर्प दंश से बालक की मौत

उमरिया । कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम अमडी दुलहरी में सर्प दंश से बालक की मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी अनुसार मृतक बालक का नाम चाहल बैगा पिता लखन बैगा उम्र 5 साल निवासी ग्राम अमडी है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पर किया 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित

उमरिया । पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू ने थाना कोतवाली जिला उमरिया के अपराध क्रमांक 600/24 धारा 64 (2) (एफ), 65 (1), 351 (3),332 (बी) भादावि एवं पाक्सो एक्ट के आरोपी नीलू सिह निवासी ग्राम चंदनिया पर 10 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है । ईनाम वितरण के संबंध में पुलिस अधीक्षक जिला उमरिया का अंतिम निर्णय होगा ।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आज

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल 9 मई को सुबह 10.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में राजस्व कार्यों की समीक्षा करेंगी। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, प्राकृतिक आपदा में सहायता राशि वितरण, भू अर्जन, न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण, ऑडिट कंडिका तथा राजस्व वसूली की समीक्षा की जाएगी। बैठक में स्वामित्व योजना, नवशा तरमीम, फार्मर रजिस्ट्री, किसान सम्मान निधि के प्रकरणों में ई केवाईसी अपडेशन तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की भी तहसीलवार समीक्षा की जाएगी। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सभी राजस्व अधिकारियों को अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

निर्देश

पात्र हितग्राहियों के ईकेवायसी से शेष

अपात्र सदस्यों का पोर्टल से विलोपन की कार्यवाही करें - कलेक्टर

विजय मत, रीवा

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा 15 मई से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर मई माह के बाद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर

दर्ज करें। कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी से शेष अपात्र सदस्यों का पोर्टल से नाम 15 मई तक विलोपित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं। उचित मूल्य दुकानवार सूची उपलब्ध करा दी गई है। नियत समय तक कार्यवाही पूर्ण न होने पर सीईओ व सीएमओ के वेतन आहरण पर आगामी आदेश तक रोक लगाई गई है।

ग्रामीण विकास योजनाओं समीक्षा बैठक संपन्न

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बैठक में निर्देश दिये कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में स्वीकृत कार्यों के उपयोगिता प्रमाण पत्र शीघ्र प्रेषित करें। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत खेत तालाब निर्माण की तकनीकी एवं प्रशासकीय स्वीकृति आगामी दो दिवस में जारी करते हुए कार्य प्रारंभ करायें तथा पूर्ण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र पोर्टल में अपलोड करें। वृक्षारोपण के लिए स्थल का चयन कर सभी पूर्व तैयारियाँ सुनिश्चित करायें। समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आवास सर्वे, जियो टैग, आवास पूर्णता एवं मजदूरी का भुगतान समय सीमा में किये जाने के निर्देश दिये गये। आवास की समग्र सीडिंग एक सप्ताह में कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ई-रिक्शा के माध्यम से कचरा संग्रहण किये जाने के निर्देश सीईओ द्वारा दिये गये। उन्होंने बैठक में कहा कि जो नल जल योजनाएं पंचायतों को हस्तांतरित की जा चुकी हैं। उनसे टैक्स वसूली की कार्यवाही की जाय।

न्यूज इन शॉर्ट

रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी पुलिस कस्टडी से फरार

भोपाल। राजधानी की सेंट्रल जेल में रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा सजायाफ्ता कैदी अमर उर्फ गुड्डू हमीदिया अस्पताल से पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। बताया गया है कि कैदी को अस्पताल में आंखों की जांच के लिए लाया गया था, जहां से सुबह करीब 11 बजे पुलिसकर्मी को चकमा देकर हथकड़ी से हाथ निकाला और रफूचक्कर हो गया। जानकारी के अनुसार फरार कैदी अमर को साल 2017 से नाबालिग से दुष्कर्म के मामले दोषी करार देते हुए अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अमर बीते कई सालो से भोपाल सेंट्रल जेल में बंद था। उसकी आंखों में वाइटनेस नामक समस्या होने के कारण उसे फॉलोअप चेकअप के लिए हमीदिया अस्पताल लाया गया था। शुक्रवार सुबह उसके मौका पाकर फरार होने की खबर लगते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। उसकी तलाश में शहरभर में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। आरोपी का पुराना पता हबीबगंज थाना क्षेत्र के मानसरोवर झुग्गी में बताया गया है, जहां पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियो पर गाज गिरना तय है।

निगमकर्मी ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, परिवार वालो ने लगाया पत्नि पर प्रताड़ित करने का आरोप

भोपाल। देहात क्षेत्र के सूखी सेवनिया थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक नगर निगम में माली का काम करता था। उसके परिवार वालो ने उसकी पत्नि पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाये है। मिली जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाला अमर अहिरवार (32) बुधवार को अमर एक शादी समारोह में गया था। वहॉ से घर आने के बाद वह अपने कमरे में चला गया था। देर शाम करीब 7:30 बजे पड़ोसियों को खिड़की से नजर आया की अमर का शव फंदे से लटका हुआ है। इसके बाद लोगो ने हादसे की सूचना पुलिस और परिजनों को दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिये भेज दिया। परिवार वालो ने शुरुआत में पुलिस को बताया है कि अमर विवाहित था, और उसका तीन साल का बेटा भी है। उसका अपनी पत्नि से विवाद चला रहा था, इस कारण बीते फरवरी महीने से उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी, और आए दिन पुलिस केस करने की धमकी देती थी। इस कारण वह काफी परेशान और मानसिक तनाव में रहता था, और परिवार वालो से पत्नी के ब्लैकमेल करने की धमकी देने और इज्जत नहीं करने की बात कहता था। परिवार वालो का आरोप है कि इसी तनाव में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है। पुलिस का कहना है कि परिजनो और पत्नि के डिटेल बयान दर्ज करने के बाद ही सही कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही तय की जायेगी।

कॉलेज छात्रा ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारण अज्ञात

भोपाल। शहर की मिसरोद थाना में नूतन कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किये जाने की घटना प्रकाश में आई है। फिलहाल खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है, जिसकी जॉच पुलिस कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार जाटखेड़ी में स्थित ढ़ोलक बस्ती में रहने वाले शत्रुघ्न पांडे एम्प्री में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। उनके मकान में का किराएदार भी रहते हैं। उनकी 23 वर्षीय बेटी खुशबू पांडे नूतन कॉलेज से बीए प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। 7 मई को उकना बेटा काम से गया हुआ था, वहीं खुशबू घर में अकेली थी। दोपहर के समय उनके यहां किराए से रहने वाले तुलसीराम की पत्नी किसी काम के चलते उनके घर आई और उसने खुशबू को आवाज दी। लेकिन खुशबू ने दरवाजा नहीं खोला और न ही भीतर से कोई जवाब दिया। यह बात महिला ने अपने पति तुलसीराम को बताई। उन्होंने इसकी सूचना छात्रा के पिता और भाई को दी। बाद में घर पहुचें पिता और भाई ने खिड़की तोड़कर दरवाजा खोला भीतर जाकर देखने पर खुशबू का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। उसे फौरन ही फंदे से उतारा गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जॉच के बाद मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंप दिया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है छात्रा के पास मोबाइल भी नहीं रहता था। फिलहाल पुलिस अन्य बिदुंओ पर जॉच कर रही है।

अचारपुरा में 160 करोड़ के निवेश के साथ 200 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर की पहली अत्याधुनिक यूनिट लिखेगी औद्योगिक विकास का नया अध्याय : मोहन यादव

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर की पहली अत्याधुनिक यूनिट का निर्माण कार्य तेज़ी से चल रहा है। उन्होंने इसे मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास का नया अध्याय बताते हुए कहा कि टेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन इकाइयों का आना, इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश अब पारंपरिक के साथ विशेषीकृत और उच्च गुणवत्ता वाले उद्योगों के लिए भी पसंदीदा स्थल बन चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस यूनिट से न केवल भोपाल बल्कि पूरे प्रदेश को उद्योग के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। मेडिटेक टेक्सटाइल सेक्टर का यह निवेश, मध्यप्रदेश को मेडिकल टेक्सटाइल, हाईजीन और हेल्थ सपोर्टिंग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार निवेश लाने की नीति पर नहीं, निवेश को जमीन पर उतारने की कार्य संस्कृति पर काम कर रही है।

इस यूनिट का निर्माण जर्मनी की विश्व प्रसिद्ध टीडब्ल्यूई ग्रुप और भारत के अनुभवी ओबीटी ग्रुप के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। टीडब्ल्यूई ओबीटी प्रा. लि. नामक यह कंपनी अचारपुरा में लगभग 160 करोड़ रु. की लागत से उच्च तकनीक आधारित उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रही है। यूनिट में महिलाओं और बच्चों के हाईजीन उत्पादों में प्रयुक्त टेक्सटाइल कंपोनेंट्स जैसे छरु टॉप शीट

और बैक शीट का निर्माण किया जाएगा।

इन उत्पादों की भारत में अब तक आयात पर निर्भरता रही है। यह यूनिट चालू होने पर देश को आत्मनिर्भर बनाएगी और मेडिटेक टेक्सटाइल उत्पादों में मेक इन इंडिया को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में स्थापित करेगी। उत्पादन के पहले चरण में ही 200 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने जा रहा है, वहीं यूनिट के स्केल बढ़ने पर यह संख्या कई गुना तक पहुंचने की संभावना है। प्रदेश सरकार द्वारा विकसित अचारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में यह यूनिट एक उदाहरण बनेगी कि कैसे सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचा और उद्योगों के अनुकूल माहौल किसी भी वैश्विक निवेशक के लिए भरोसे का केंद्र बन सकता है। कंपनी ने उपलब्ध ज़मीन, बिजली, परिवहन और अन्य सुविधाओं को निर्माण के लिए उपयुक्त बताया है। तकनीकी मानकों पर यह यूनिट भारत में अपने क्षेत्र की पहली अत्याधुनिक फैक्ट्री होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने स्पष्ट विजन के साथ नई औद्योगिक रणनीति अपनाई है जिसमें 'निवेश और निर्माण' को साथ लेकर चलना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवेशक अब मध्यप्रदेश में तेज़ फैसलों, सहज प्रक्रियाओं और भरोसेमंद माहौल के चलते बड़े निर्णय ले रहे हैं। मेडिटेक टेक्सटाइल जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में इस तरह का निवेश इसी विश्वास का परिणाम है। यूनिट के निर्माण में ग्रीन बिल्डिंग औरपर्यावरणीय संतुलन का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यहां बिना बॉयलर के संचालन होगा और उत्पादन प्रक्रिया से जल अथवा वायु प्रदूषण नहीं होगा। हाईजीन और हेल्थ सेक्टर से जुड़ी यह यूनिट स्वच्छ भारत और आत्मनिर्भर भारत की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। टीडब्ल्यूई ओबीटी प्रा. लि. की ओर से बताया गया कि यह यूनिट पूरे देश में उनकी पहली और प्रमुख इकाई होगी। यह मेडिटेक टेक्सटाइल के क्षेत्र में देश में तकनीकी उत्पादन की शुरुआत मानी जाएगी। जर्मनी से उच्च स्तरीय तकनीकी सहयोग के साथ यह यूनिट भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर के लिए एक नई दिशा तय करेगी। राज्य सरकार इस यूनिट को टेक्सटाइल ओडीओपी, पीएम मित्र पार्क और क्लस्टर पॉलिसी से जोड़कर क्षेत्रीय विकास की संभावनाओं को और सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। टेक्सटाइल सेक्टर में मध्यप्रदेश को पहले से ही राष्ट्रीय पहचान प्राप्त है और अब मेडिटेक, टेक्निकल और हाईजीन टेक्सटाइल में यह यूनिट उस पहचान को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने वाली है।

तनाव के बीच ग्वालियर में हाई अलर्ट

एयरपोर्ट से सभी उड़ानें रद्द, सुरक्षा एजेंसियों की कड़ी निगरानी

विजय मत, ब्यूरो, ग्वालियर

भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक किया। सेना ने कई आतंकी ठिकानों पर अटैक कर उन्हें तबाह कर दिया। अब इस ऑपरेशन के बाद मध्यप्रदेश के ग्वालियर में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। देश का सबसे महत्वपूर्ण ग्वालियर का वायु सेना स्टेशन को अलर्ट पर रखा है। वहीं, अगले आदेश तक ग्वालियर के राजमाता एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। इतना ही नहीं आम लोगों की आवाजाही को भी पूरी तरह से बैन कर दिया गया है।

वहीं, ग्वालियर एयरपोर्ट पर ष्टढ्ढस्त्र की टीम तैनात है। जवानों ने पूरे एयरपोर्ट की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी का सरकारी स्टॉफ ही एयरपोर्ट पर मौजूद है। इतना ही नहीं प्राइवेट स्टॉफ को भी एयरपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। अगले आदेश तक ग्वालियर आने-जाने वाली सभी फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया है।

मालूम हो कि ग्वालियर के राजमाता एयरपोर्ट के पास ही आर्मी का स्टेशन भी है। यहां सेना के कई विमान तैनात हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है।एयरपोर्ट पर कोई भी फ्लाइट फिलहाल तो लैंड करेगी और न ही यहां से कोई फ्लाइट टेकऑफ होगी।

आरकेडीएफ कॉलेज के छात्र की संदिग्ध हालत में मौत

भोपाल। खजूरी सड़क थाना इलाके में आरकेडीएफ कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई करने वाले एक छात्र की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है। बताया गया है की छात्र की अचानक तबीयत खराब होने पर परिजन उसे इलाज के लिये चिरायु अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहॉ इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूलतः शाजापुर जिले का रहने वाला भरत बैरागी पिता राजेंद्र बैरागी (17) यहां अपनी मौसी के रहकर पढ़ाई कर रहा था। बीते दिन अचानक उसकी तबीयत अधिक खराब होने पर परिवार वाले उसे उपचार के लिये चिरायु अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हॉस्पिटल में इलाज के दौरान कुछ घंटे बाद ही भरत बैरागी ने दम तोड़ दिया। बताया याग है की मृतक छात्र 30 अप्रैल को ही शाजापुर स्थित अपने गांव से वापस आया था। उसे दो दिनों से उल्टी हो रही थी, लेकिन बीते दिन उसकी तबीयत काफी खराब हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। जॉच टीम का कहना है, कि पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत का सही कारण सामने आ सकेगा, जिसके आधार पर ही आगे की जॉच की दिशा तय की जायेगी।

■ एक दर्जन से अधिक स्थानों पर दबिश,48 मामले दर्ज

बार, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों पर आबकारी की रेड

विजय मत, भोपाल

राजधानी में बार, होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों के देर रात तक खुले रहने और अवैध रुप से शराब परोसे जाने की शिकायतो के बीच बुधवार देर रात आबकारी विभाग की 4 टीमो ने एक दर्जन से अधिक स्थानों पर दबिश दी। इस दौरान यहां अवैध शराब का स्टॉक करने के साथ ग्राहकों को भी परोसना की बात सामने आई। आबकारी कंट्रोलर आरजी भदौरिया ने बताया कि सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ के निर्देश पर 4 टीमों ने केरवा डेम रोड, रातीबड़, 10 नंबर, अरेरा कॉलोनी, बैरागढ़ क्षेत्र के विभिन्न रेस्टोरेंट, होटल ढाबों पर देर रात तक कार्रवाई की। इस दौरान ब्लू लगून, हाइड आउट, ट्री चैप्टर, बेसिल, कंट्री साइड मिडोज, वन माल्ट, खासियत, आर-एम बायंस, मोक्ष क्लब, रजवाड़ा ढाबा, पेज-3, कुसीन कल्चर अन्य पर कार्रवाई करते हुए संचालक-मालिकों पर आबकारी एक्ट की धाराओं में 48 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा बैरसिया रोड के किनारे अवैध हाथ भट्टी से बनी शराब बेचने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई।

■ एम्स में शॉकवेव थेरेपी से खुली नई राह, यह पारंपरिक इलाज से आसान होगी

बिना सर्जरी पुरुषों की यौन समस्याओं का इलाज संभव

विजय मत, भोपाल

पुरुषों में यौन दुर्बलता और संबंधित अंग संबंधी बीमारियों के इलाज में अब एक नई, वैज्ञानिक और गैर पारंपरिक तकनीक सामने आई है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में पुरुषों की यौन स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के लिए लो-इंटेंसिटी एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल शॉकवेव थेरेपी को प्रयोग में लाया जा रहा है। यह तकनीक न केवल गैर सर्जिकल है, बल्कि इसके परिणाम भी अच्छे आ रहे हैं। यह जानकारी एम्स भोपाल के यूरोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. केतन मेहरा ने एक हालिया चिकित्सा संवाद में दी। उन्होंने बताया कि अब तक दवाओं और सर्जरी पर निर्भर रहे पुरुषों के लिए यह थेरेपी एक बिना दर्द, बिना खतरे और बिना दवा वाला विकल्प बन रही है।

शॉकवेव थेरेपी मूल रूप से किडनी स्टोन (पथरी) तोडने के लिए विकसित की गई थी। इसमें शरीर के बाहरी हिस्से से विशेष तरंगें (शॉकवेव) भेजी जाती हैं जो अंदर जाकर कोशिकाओं को उत्तेजित करती हैं। लो इंटेंसिटी शॉकवेव थेरेपी में बेहद हल्की तीव्रता की तरंगें संबंधित अंग की रक्त वाहिकाओं (नस) और टिशु पर असर डालती हैं। यह तरंगें शरीर में नई रक्त नलिकाओं (नसों) का निर्माण। इससे में रक्त प्रवाह बेहतर होता है और प्राकृतिक रूप से उत्तेजना और कार्यक्षमता में सुधार आता है। हल्के और मध्यम स्तर की यौन दुर्बलता के मामलों में यह थेरेपी सबसे ज्यादा असरदार पाई गई है। रिसर्च में ऐसे कई मरीजों ने बिना किसी दवा के ही सामान्य यौन जीवन की ओर वापसी की है।

एम्स भोपाल में इस तकनीक को लेकर एक व्यापक शोध जारी है। डॉ. मेहरा ने बताया कि परिणाम ऐसे ही सकारात्मक रहे, तो भविष्य में यह थेरेपी यौन स्वास्थ्य के क्षेत्र में गेमचेंजर बन सकती है।

10वीं-12वीं की दोबारा परीक्षा 17 जून से फेल विद्यार्थियों को मिलेगा मार्गदर्शन

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से बोर्ड की 10वीं-12वीं कक्षा का परिणाम तो समय पर जारी हो गया। अब असफल विद्यार्थियों के लिए सवा महीने बाद दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। स्कूल स्तर पर परीक्षा की तैयारी में विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी अनिवार्य किया गया है, ताकि विद्यार्थी को असमंजस नहीं रहे और परीक्षा में सफल हो पाए। बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम जारी हो चुका है। विद्यार्थियों को मुख्य अंकसूची का इंतजार अभी बना हुआ है। फिलहाल उन्हें ऑनलाइन अंक सूचित मिली है, लेकिन विद्यार्थियों को मुख्य अंकसूची के लिए अभी तीन से चार सप्ताह का इंतजार करना होगा। ऐसे विद्यार्थी जो परिणाम से असंतुष्ट हैं और अपनी उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन या रिपोर्टिंग करना चाहते हैं, उन्हें आवेदन करना होगा।

सात मौत के आरोपी डॉक्टर नरेंद्र यादव को दमोह लेकर आई छत्तीसगढ़ पुलिस, पूछताछ के लिए लेकर गई थी बिलासपुर

विजय मत, ब्यूरो, दमोह

दमोह मिशन अस्पताल में सात मौत के आरोपी डॉ. नरेंद्र यादव उर्फ एन जॉन कैम को छत्तीसगढ़ से वापस दमोह जेल लाया गया है। छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल के गलत इलाज से हुई मौत का आरोप भी डॉ. कैम पर लगा था, जिसे बिलासपुर पुलिस चार दिन की रिमांड पर दमोह से अपने साथ लेकर गई थी। वहां से पूछताछ के बाद उसे वापस दमोह लाया गया और जिला जेल भेज दिया गया। हालांकि, डॉक्टर का हर बार यही जवाब है कि उसे न्यायालय पर भरोसा है।

बता दें कि मिशन अस्पताल में सात मौत के आरोपी डॉ. नरेंद्र यादव को जब पुलिस प्रयागराज से गिरफ्तार कर लाई थी। उसके बाद उसे दस दिन की रिमांड पर दमोह पुलिस ने लिया था। लगातार पूछताछ के बाद डॉक्टर से कई अहम सुराग लगे थे। इसी बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र शुक्ल की मौत का मामला भी सामने आया था। परिजनों ने बताया था कि 2006 में इसी डॉक्टर के इलाज से शुक्ला की मौत हुई थी, जिसके बाद बिलासपुर के सरकंडा थाने में आरोपी डॉक्टर यादव पर मामला दर्ज हुआ था। इधर, दस दिन की रिमांड खत्म होने के बाद डॉक्टर नरेंद्र को एक मई तक जेल भेज दिया गया था। दोबारा न्यायालय आने पर छत्तीसगढ़ पुलिस ने आरोपी को साथ ले जाने चार दिन की रिमांड ली थी और डॉक्टर को बिलासपुर ले जाया गया था। जहां से पूछताछ के बाद चार दिन की रिमांड खत्म होने पर बिलासपुर से वापस दमोह लाया गया। दमोह पहुंचने पर उसे जेल भेजा गया, अब उसे 14 मई को फिर से न्यायालय में पेश किया जाएगा।

डॉक्टर के इलाज से हुई सात मौत के मामले के बाद प्रशासन से मिशन अस्पताल के कैथ लैब सील करने के बाद उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया था। उसके बाद अस्पताल बंद हो गया, यहां अब मरीजों का कोई इलाज नहीं किया जाता।

खास-खबर जल गंगा संवर्धन अभियान में मिले लक्ष्य को पूरा करने वाला बना प्रदेश का पहला जिला

कूप रिचार्ज पिट निर्माण में खंडवा जिले ने हासिल किया 100 फीसदी का लक्ष्य

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश पुराने जल स्त्रोतों को सहेजने, नया जीवन देने और किसानों को सिंचाई व पीने के लिए नलकूप, कुओं से पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश के सभी जिलों में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) अंतर्गत खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, सोख्ता गड्ढ़ा, बोरी बंधान सहित बारिश का पानी रोकने के लिए अन्य कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी जिलों को लक्ष्य भी दिया गया है। खंडवा जिला प्रदेश का पहला ऐसा जिला बना है, जिसने कूप रिचार्ज पिट निर्माण में 100 फीसदी का लक्ष्य हासिल किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत खंडवा जिले को 4 हजार 700 कूप रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य मिला था, जिसे समय से पहले और लक्ष्य से अधिक पूरा कर लिया गया है। जिले में 4 हजार 838 कूप रिचार्ज पिट बनाए गए हैं। जिला पंचायत सीईओ खंडवा नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि कलेक्टर ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले में 15 हजार कूप रिचार्ज पिट बनाए जा रहे हैं, करीब 10 हजार का कार्य प्रगतिरत है।

बारिश के पानी का संचयन करने के लिए भारत सरकार के केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा ÷ जल संचय, जन भागीदारी अभियान राष्ट्रीय अभियान चलाया जा रहा है, इसमें देश के सभी जिलों में बारिश के पानी को एकत्र करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग रिचार्ज पिट, स्टॉप डैम, सोख्ता गड्ढा सहित विभिन्न प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश का खंड्वा जिला 7 मई की स्थिति में देश में तीसरे नंबर पर है।

प्रदेश में बारिश के पानी को सहेजने, पुराने जल स्रातों को संवारने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेशभर में 30 मार्च 2025 से 30 जून 2025 तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। कूप रिचार्ज पिट, जिसे रिचार्ज शाफ्ट या रिचार्ज पिट भी कहा जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य भू-जल स्तर को बढ़ावा देना है। बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसने से भू-जल स्तर बढ़ता है। साथ ही कूप या नलकूपों के सूखने की संभावना भी कम रहती है। साथ ही सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बनी रहती है।

रीवा आईजी ने एसपी की तरह किये ट्रांसफर, पीएचक्यू ने निरस्त किया आदेश

भोपाल। विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशासन ने एक आदेश जारी कर रीवा आईजी गौरव राजपूत के उस आदेश को निरस्त कर दिया जिसमें उन्होनें एसपी की तरह ट्रांसफर आदेश जारी किया था। अपने आदेश में स्पेशल डीजी ने लिखा कि आईजी रीवा जोन के कार्यालय द्वारा 1 मई 2025 को एक ट्रांसफर आदेश जारी किया गया था। इसे डीजीपी ने राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए बनाई गई स्थानांतरण नीति 2025 की कंडिका क्रमांक 8 के प्रावधान अनुसार नहीं पाया। ऐसा लिखते हुए आईजी रीवा के आदेश को निरस्त कर दिया। जानकारी मिली है, कि आईजी रीवा गौरव राजपूत ने एक आदेश निकालकर पुलिस अधीक्षकों की भांति ट्रांसफर किया था। बताया गया है कि आईजी के आदेश में एक सर्कुलर का संदर्भ दे कर उसकी गलत व्याख्या की गई थी।

निगम अमले ने विभिन्न स्थानों से हटाये अतिक्रमण

■ ठेले, टेबिल, कुर्सी, कैरेड, स्टैंड, लकड़ी के बाक्स आदि जप्त किए

विजय मत, भोपाल

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत दुकानों के बाहर रखा सामान, अवैध रूप से रखी गुमठियां, ठेले, फ्रेम, जीना, शेड, स्लेब आदि को हटाया तथा ठेले, टेबिल, कुर्सी, कैरेड, स्टैंड, लकड़ी के टूटे बाक्स आदि सहित अन्य प्रकार की सामग्री जप्त की। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने गुरूवार को नेहरू नगर, एम.पी.नगर, आशिमा मॉल, 11मील, बैरागढ़, साधुवासवानी रोड, मिनी मार्केट, न्यू मार्केट, एम्स हॉस्पिटल गेट नंबर 03 व 05, एमरोल्ड कालोनी, हिनोतिया आलम, कटारा हिल्स, अमलतास कालोनी, भदभदा, नीलबड़, रातीबड़, जहांगीराबाद, एक्सटॉल कॉलेज, लिली टॉकीज, भरत नगर, ओरामाल, इतवारा, इन्द्रपुरी, एल.बी.एस. हॉस्पिटल, लिंक रोड नंबर 01, 02 तथा 03 आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए नेहरू नगर क्षेत्र में मकानों के सामने अवैध रूप से लगी 02 जालियां साथ ही बैरागढ़ साधुवासवानी स्कूल एवं एल.बी.एस हॉस्पिटल रोड पर अवैध रूप से पार्क किए गए 12 चार पहिया वाहन, ओरामाल प्रसाद कुंज के सामने से 01 अवैध जीना व स्लैब, जहांगीराबाद लिली टॉकीज क्षेत्र में ऑटो डीलर्स द्वारा अवैध रूप से खड़े किए गए 15 पहिया वाहन, इन्द्रपुरी क्षेत्र से 04 दुकानों के सामने अवैध रूप से लगे शेड आदि को हटाया। निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से 06 ठेले, 01 टेबिल, 02 कुर्सियां, 06 कैरेड, बेंच, लोहे के स्टैंड, जालियां तथा लकड़ी के टूटे बाक्स सहित अन्य प्रकार की सामग्री जप्त की। निगम अमले ने पुनः अतिक्रमण न करने की समझाइश दी और चेतावनी भी दी यदि पुनः अतिक्रमण किया पाया जाता है तो और अधिक कठोर कार्यवाही की जायेगी।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

योगेश कुमार गोयल

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।

> ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे।

इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।

बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

'आपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

ललित गर्ग

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। 'आपरेशन सिंदूर' में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है। 'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगे? इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

पहलगाम तनाव के बीच मानसरोवर यात्रा, भारत चीन के बीच सांस्कृतिक व जनसंपर्क आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण हिस्सा है

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर अखंड भारत की सभ्यता सांस्कृतिक धरोहर को विभाजन के दंश ने इस प्रकार खंडित किया कि, भारत की कुछ अनमोल धरोहर भारत के उस तरफ याने पाकिस्तान, चीन, नेपाल इत्यादि देशों में चली गई है, जिसमें गुरु नानक देव का जन्म स्थान ननकाना साहिब जो पाकिस्तान का गुरुद्वारा है वहां पर हुआ था, उसी तरह कैलाश मानसरोवर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र का हिस्सा है, जो चीन के प्रशासनिक नियंत्रण में है इसलिए इन दोनों स्थानों का दर्शन करने संगतो को संबंधित देश से अनुमति, वीजा इत्यादि लेना होता है या सरकारी स्तरपर समझौते होते हैं।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि, 30 जून से 25 अगस्त 2025 तक मानसरोवर यात्रा शुरू हो रही है जिसमें रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 13 मई 2025 है। बता दें यह यात्रा बिना अनुमति के नहीं की जा सकती तथा अभी वैसे भी पहलगाम कांड से सैलानी पर्यटकों में डर का माहौल छाया हुआ है, परंतु यह आध्यात्मिक स्थान है जिसमें भक्त गण बिना डर के रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं।चूँकि पहलगाम तनाव के बीच मानसरोवर यात्रा भारत चीन के बीच सांस्कृतिक जनसंपर्क आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, व भारत चीन राजनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ पर मानसरोवर यात्रा को द्वापक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में मिल का पत्थर साबित होगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, कैलाश मानसरोवर यात्रा का 5 वर्षों के बाद रजिस्ट्रेशन शुरू, 30 जून से 25 अगस्त 2025 तक होगी यात्रा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख 13 मई 2025 हैं।

> साथियों बात अगर हम 30 जून 2025 से शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर के रोडमैप को समझने की करें तो कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि 13 मई निर्धारित है। यात्रा 30 जून से शुरू होगी। कैलाश मानसरोवर सेवा समिति ने बयान जारी कर बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से 25 अगस्त तक दो मार्गों उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रा और सिक्किम में नाथू ला के रास्ते से होगी। उन्होंने बताया कि कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा हिंदुओं के साथ जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखती है।

इस साल उत्तराखंड राज्य से लिपुलेख दर्रे पांच जत्थों और सिक्किम राज्य से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए 15 जत्थों में तीर्थयात्री यात्रा करेंगे। प्रत्येक जत्थे में 50 श्रद्धालु शामिल रहेंगे। हालांकि पिछले पांच सालों से चीन कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए भारतीयों को इजाजत नहीं दे रहा था। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और कोविड की लहर इसकी वजह थी।अब 5 साल बाद फिर यात्रा शुरू होने वाली है। इसे भारत और चीन के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों देशों ने पिछले साल अक्टूबर में हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था। बिना रजिस्ट्रेशन के कैलाश मानसरोवर यात्रा में नहीं जा सकते हैं। दरअसल, मानसरोवर यात्रा को पूरा करने में करीब 2 से 3 हफ्ते का समय लगता है। इसके अलावा, समुद्र तल से कैलाश मानसरोवर की ऊंचाई करीब 21 हजार फीट से अधिक है और इसे पूरा करने के लिए उबड़-खाबड़ पहाड़ों पर करीब 51 किमी पैदल चलना पड़ता है

साथियों बात अगर हम 5 वर्षोंके बाद शुरू हो रही कैलाश मानसरोवर यात्रा की फिर से नीव पढ़ने की करंस तो भारत-चीन में समझौते की नींव कजान में पड़ी हमारे पीएम और चीनी राष्ट्रपति पिछले साल अक्टूबर में 5 साल बाद रूस के कजान शहर में मिले थे। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कुछ कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इसके बाद से पिछले 3 महीने में चीन-भारत सीमाके विवादित इलाकेडेमचोक और देपसांग से दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा और फ्लाइट सर्विस 5 साल बाद शुरू करने के फैसले हुए हैं। भारत- चीन के बीच 2020 से फ्लाइट सर्विस भी बंद थी विदेश मंत्रालय ने 27 जनवरी को बताया था कि भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स सर्विस भी शुरू होगी। दोनों देशों के बीच 2020 से फ्लाइट सर्विस बंद थी। भारत- चीन के बीच जून 2020 में डोकलाम विवाद हुआ था और 2019 मार्च में कोविड की पहली लहर आई थी।कोरोना महामारी से पहले दोनों देशों के बीच हर महीने 539 सीधी उड़ानें हुआ करती थीं। इनकी कैपेसिटी 1.25 लाख सीटों से ज्यादा थी। इन फ्लाइट्स में एअर इंडिया, चाइना साउदर्न एयरलाइंस, चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस जैसी कंपनियां शामिल थीं।उड़ान बंद के बाद दोनों देशों के यात्री बांग्लादेश, हॉन्गकॉन्ग, थाइलैंड और सिंगापुर जैसे कनेक्टिंग हब के जरिए यात्रा करते थे। हालांकि यह यात्रा महंगी पड़ती थी। जनवरी से अक्टूबर 2024 के बीच हॉन्गकॉन्ग होते हुए 1.73 लाख, सिंगापुर होते हुए 98 हजार, थाइलैंड होते हुए 93 हजार और बांग्लादेश होते हुए 30 हजार लोगों ने दोनों देशों की यात्राएं की थीं। विदेश मंत्रालय हर साल यात्रा का आयोजन करता है। हालांकि पिछले पांच सालों से चीन कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए भारतीयों को इजाजत नहीं दे रहा था। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और कोविड की लहर इसकी वजह थी।अब 5 साल बाद फिर यात्रा शुरू होने वाली है। इसे भारत और चीन के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों देशों ने पिछले साल अक्टूबर में हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था।भारत-चीन में समझौते की नींव कजान में पड़ी। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कुछ कदम उठाने पर सहमति जताई थी।इसके बाद से पिछले 3 महीने में चीन-भारत सीमा के विवादित इलाके डेमचोक और देपसांग से दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा और फ्लाइट सर्विस 5 साल बाद शुरू करने के फैसले हुए हैं भारत- चीन के बीच 2020 से फ्लाइट सर्विस भी बंद थी विदेश मंत्रालय ने 27 जनवरी को बताया था कि भारत-चीन के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स सर्विस भी शुरू होगी। दोनों देशों के बीच 2020 से फ्लाइट सर्विस बंद थी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8361

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. ईसा मसीह-3
3. जवान, तरुण-3
5. आकाश, व्योम-2
6. परत, अस्तर-2
8. गर्जना, दहाड़ना-4
11. मदद, आराम-3
13. सुगंध, खुशबू-3
14. धूल, मिट्टी-2
15. छत्तीसगढ़ की राजधानी-2
16. पिता, आविष्कारक-3
18. नस्ल, जाति, प्रजाति-3
20. ओस, रजनीजल-4
23. भीगा हुआ-2
25. बल, ताकत, दम-2
26. तेल या घी में पकाना -3
27. मसाज-3

ऊपर से नीचे

1. रसना, जिव्हा-2
2. सचेत, सावधान-3
3. जरुरत, आवश्यकता-3
4. ऋतु, मौसम-2
5. दृश्य, तमाशा-3
7. कंठ, गला-3
9. रीती, रिवाज-2
10. प्रसिद्ध, नामवर-4
12. तीर रखने का पात्र-4
16. भूमि, धरा-3
17. खदान, माईन-2
19. तरंग, हिलोर-3
21. प्रवाहित करना-3
22. भीड़, समूह-3
24. राय, वोट-2
25. उत्साह, ललक-2

शब्द पहेली -8360 का हल

■	म	ह	क	■	ता	म	झा	म
ज	न	■	म	न	न	■	■	स
हा	■	प	र	■	ना	स	■	ख
न	ज	र	बं	द	■	दा	य	रा
■	न	■	द	■	ह	■	म	■
दा	म	न	■	न	क	ब	ज	न
बा	■	ल	क	■	ब	स	■	ती
न	■	■	मा	य	का	■	ता	जा
ल	ति	या	ना	■	ना	सू	र	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.45 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	07.44 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.57 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.13 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.25 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.36 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.51 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.07 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.12 बजे से
राहुकाल		कुंभ	00.58 बजे से
10.30 से		मीन	02.31 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	04.01 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 129 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 14.57 बजे से समाप्त।
नक्षत्र हस्त 00.09 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 02.58 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 14.57 बजे तदनन्तर कौलव 04.13 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 22'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872339
जूलियन दिन 2460804.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23 बजे तक		रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक		काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक		लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक		उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक		शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक		अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक		चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक		रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

एसडीएम ने स्वीकृत ऑॅगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यों की समीक्षा की

शहडोल। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह ने जिला पंचायत के सभागार में तहसील सोहागपुर अंतर्गत विभिन्न मदो से स्वीकृत ऑॅगनवाड़ी भवनों के निर्माण कार्यौं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान एसडीएम ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री जन मन योजना, मनरेगा अभी शरण, लोक परिसंपत्ति के तहत स्वीकृत किए गए आंगनबाड़ी भवनों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जहां आंगनबाड़ी भवन निर्माण में भूमि संबंधी विवाद था उसके तत्काल निराकरण हेतु संबंधित राजस्व के अमले को निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा गया कि आंगनबाड़ी भवन उपयुक्त स्थान पर ही बनाया जाए जहां छोटे बच्चे सुगमता से आंगनबाड़ी केंद्र पहुंच सके। इसके साथ ही आंगनबाड़ी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के संबंध में भी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, परियोजना अधिकारी सोहागपुर श्री आनंद अग्रवाल सहित समस्त पर्यवेक्षक, महिला बाल विकास जनपद पंचायत के उप यांत्रिक एवं संबंधित ग्राम पंचायत के सचिव उपस्थित थें।

कमिश्नर ने सहायक ग्रेड-3 तहसील पाली के आगामी 2 वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकते हुए प्रकरण किया समाप्त

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने उमरिया जिले के सहायक ग्रेड-3 तहसील कार्यालय पाली शैलेंद्र दुबे को कार्यों में लापरवाही बतरने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया था तथा प्रकरणों का अवलोकन किया गया था। कमिश्नर ने आदेश जारी करते हुए सहायक ग्रेड-3 तहसील कार्यालय पाली श्री शैलेंद्र दुबे के पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है, जिसके लिए वे दोषी हैं। अतएव प्रस्तुत उत्तर संतोषप्रद व समाधानकारक न पाये जाने के कारण म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम-10(4) के अंतर्गत आगामी 02 वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकते हुये जारी कारण बताओ सूचना पत्र से प्रचलित कार्यवाही इसी स्तर समाप्त किया जाता है।

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर विशाल जागरूकता रैली निकली

शहडोल। आज विश्व थैलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन शहडोल एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, दिशा वेलफेयर एसोसिएशन एवं सांझी रसोई (मीत एक साथी सोशल सर्विसेस समिति की इकाई) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. शिल्पी सराफ (सी.एस., जिला अस्पताल शहडोल) का विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में रोटरी क्लब विराट इनर व्हील क्लब शहडोल, हृष्टष्ट कैडेट्स, शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज, एवं विवेकानंद पैरामेडिकल कॉलेज,थैलेसीमिया योद्धा का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के लिए प्रेरित करना ,थैलेसीमिया के प्रति जनमानस में जागरूकता फैलाना और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना था। सभी प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का इस महत्वपूर्ण मुहिम में योगदान सराहनीय रहा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पीएचई कर रहा पाइप लाइनों में सुधार

रीवा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन जल संरचनाओं का निर्माण करने के साथ.साथ पानी को व्यर्थ करने से बचाने के भी प्रयास किये जा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जिले भर में अभियान चलाकर नल जल योजना की पाइप लाइनों के लिकेज दूर किये जा रहे हैं। इसके साथ.साथ हैण्डपंपों में रिचार्ज पिट का निर्माण भी कराया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय ने बताया कि विभाग के कार्यपालन यंत्रीए सहायक यंत्री और उप यंत्री लगातार भ्रमण करके नल जल योजनाओं का निरीक्षण कर रहे हैं। गत दिवस रीवा विकासखण्ड के ग्राम भिटवा और रौसर की नल जल योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इसी तरह ग्राम गो?हर की नल जल योजना में पाइप लाइन का सुधार कराया गया। ग्राम नर्रहा में तथा हर्दी में जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे हैं। नर्रहा में नल जल योजना का सुधार कराके पानी की आपूर्ति शुरू की गयी। इसी तरह रायपुर कर्चुलियान के विकासखण्ड ग्राम हर्दीए सिरमौर विकासखण्ड के ग्राम बदरौव पिपरियान में पाइप लाइन में सुधार कार्य कराया गया।

कलेक्टर, विधायक और नगर पालिका अधिकारियों के प्रयासों से स्वीकृत हुआ महत्वाकांक्षी जलप्रदाय परियोजना

शहडोल में सोन नदी पर एनीकट निर्माण की मिली मंजूरी, नगरवासियों के लिए एक ऐतिहासिक कदम

विजय मत, शहडोल

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री,स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ला के सतत प्रयासों से शहडोल नगर, मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थानों में भी पेयजल आपूर्ति की समस्या के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा राज्य खनिज मद से सोन नदी में एनिकट निर्माण हेतु 27 करोड़ 43 लाख रूपये की मंजूरी दी गई है। एनिकट के बन जाने से शहडोल नगर की पेयजल समस्या का स्थायी निराकरण हो सकेगा।

विधायक,कलेक्टर और नगर पालिका के प्रयासों से स्वीकृत हुआ महत्वाकांक्षी जलप्रदाय परियोजना

शहडोल नगरवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है।सोन नदी पर एनीकट निर्माण कार्य को राज्य खनिज प्रतिष्ठान मद से मंजूरी मिल गई है। यह योजना नगरवासियों को आने वाले 50 वर्षों तक निरंतर और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी।कुल रु. 27.43 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना में बैराज,पम्प हाउस, ट्रांसमिशन लाइन,एप्रोच ब्रिज और अन्य जरूरी निर्माण कार्य शामिल हैं।

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका

इस योजना की स्वीकृति में कई जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की अथक मेहनत का बड़ा योगदान रहा है।कलेक्टर केदार सिंह की सूझबूझ और नेतृत्व के कारण इस परियोजना को गति मिली।क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने प्रयासों से योजना को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया।वहीं, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और नगर पालिका उपाध्यक्ष डोली शर्मा ने इस कार्य को नगरवासियों के लिए एक आवश्यक कदम मानते हुए पूरी ताकत से इसे मंजूरी दिलाने के लिए काम किया।

अधिकारी अक्षत बुंदेला का भी योगदान

नगर पालिका के अधिकारी अक्षत बुंदेला ने तकनीकी और प्रबंधन स्तर पर यह सुनिश्चित किया कि इस योजना को सभी मानकों के अनुसार तैयार किया जाए और इसे शीघ्र स्वीकृति मिल सके।

नगरवासियों के लिए राहत

अब शहडोल नगरवासियों को जल संकट से छुटकारा मिलेगा,क्योंकि वर्तमान में जलप्रदाय सरफा स्थित नदी से किया जा रहा था,जो भविष्य में स्थिर नहीं था।इस बैराज निर्माण से शहडोल में पानी की आपूर्ति एक मजबूत आधार पर होगी,जो नगरवासियों की जिंदगी में बड़ी राहत लेकर आएगी तथा यह परियोजना शहडोल के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी,और सभी जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के सामूहिक प्रयासों से यह सफलता हासिल हुई है।

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार

लोगों ने तालाब की सफाई कार्य में किया श्रमदान, दिया जल संरक्षण का संदेश

विजय मत, शहडोल

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार। बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ÷जल गंगा सवंर्धन अभियान÷ 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान सतत चलेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान के तहत ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व वाले तालाबों, जल स्त्रोतों तथा देवालयों में जल संरक्षण के कार्य भी किये जा रहे हैं। यह जन प्रतिनिधियों, स्थानीय समुदाय, जनभागीदारी, आमजन और सरकार के संयुक्त प्रयास से संचालित होगा, जिसमें मशीन, सामग्री व श्रम का समुचित नियोजन किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के लल्लू तालाब में श्रमदान के माध्यम से तालाब की साफ सफाई करने का कार्य किया गया। श्रमदान कार्य में नगरपालिका के अधिकारी, कर्मचारी व सफाई टीम व स्थानीय लोगों ने अपनी भूमिका निभाई।

कृषक के.पी.सिंह कर रहे हैं ड्रेगन फ्रूट की खेती

रीवा । रीवा जिले में ड्रेगन फरूट की खेती का नवाचार करने का संकल्प लेकर कृषक केण्पीण् सिंह ड्रेगन फरूट की खेती करने वाले एक मात्र कृषक हैं। मनगवां के समीप बसे?ा गांव में शिव ड्रेगन फरूट के नाम से केण्पीण् सिंह ने मार्च 2024 में ड्रेगन फरूट की खेती करना प्रारंभ किया है। कक्षा 12वीं पास कृषक श्री सिंह ग्राम पंचायत के सरपंच भी है। उन्होंने हैदराबाद से ड्रेगन फरूट की कलम लाकर उपचारित कर धूप से बचाव के लिये चूने के घोल को मिलाकर बालू व देशी खाद सहित आर्गेनिक खेती करना शुरू किया। अभी उन्होंने 40 डिसमिल क्षेत्र में 6 लाख रूपये की लागत से खेती प्रारंभ की है इसे एक एक? में लगाने का लक्ष्य है। कृषक श्री सिंह हैदराबाद से 200 पे? प्रति पे? 600 रूपये की लागत के ड्रेगन फरूट की कलम लेकर आये थे। कृषक केण्पीण् सिंह बताते हैं कि मुझे गूगल में देखकर ड्रेगन खेती करने का विचार मन में आया।

किसानों के लिए वरदान है सुपर सीडर, नरवाई का निदान और बुवाई एक साथ

विजय मत, रीवा

खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी क?ी का उदाहरण सुपर सीडर है। सुपर सीडर ट्रैक्टर के साथ जु?कर कार्य करने वाला ऐसा यंत्र है जो नरवाई की समस्या का निदान करने के साथ.साथ बुवाई भी करता है। जो किसान धान की खेती के बाद गेंहू और चने की बुवाई करते हैं उनके लिए यह अत्यंत उपयोगी है। सुपर सीडर धान अथवा अन्य किसी भी फसल के डंठल जिसे नरवाई कहा जाता है उसे आसानी से छोटे.छोटे टुक?ों में काटकर मिट्टी मे मिला देता है। इसके उपयोग से नरवाई को जलाने की जरूरत नहीं प?ती। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है वहीं दूसरी ओर मिट्टी के ऊपरी परत के उपयोगी जीवाणुओं के जीवन की रक्षा भी होती है। सुपर सीडर से नरवाई वाले खेत में सीधे गेंहूए चने अथवा अन्य फसल की बोनी की जा सकती है। इसके उपयोग से किसान को नरवाई की झंझट से मुक्ति मिलती है। जो नरवाई किसान के लिए समस्या है उसे सुपर सीडर खाद के रूप में बदलकर वरदान बना देता है। संभागीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग सतना में सुपर सीडर उपलब्ध है। शासन की योजनाओं के तहत किसान को सुपर सीडर खरीदने पर 40 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। सुपर सीडर सामान्य तौर पर एक घण्टे में एक एक? क्षेत्र में नरवाई नष्ट करने के साथ बुवाई कर देता है। गेंहू के बाद जिन क्षेत्रों में मूंग की खेती की जाती है।

नरवाई जलाने वाले किसान को जुर्माने का नोटिस

रीवा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल द्वारा रीवा जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिये हैं। इस आदेश का उल्लंघन करके हुजूर तहसील के ग्राम भटलों में 30 अप्रैल को आराजी क्रमांक 1836 में नरवाई जलाने की घटना सेटेलाइन के माध्यम से दर्ज हुई है। राजस्व तथा कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारियों द्वारा मौके पर जांच करने में नरवाई जलाना प्रमाणित पाया गया है। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने नरवाई जलाने वाले किसान उमा प्रताप सिंह को 5 हजार रूपये के जुर्माने का नोटिस दिया है। नोटिस का तीन दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर जुर्माने की कार्यवाही की जायेगी।

सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक की शिकायतें तत्काल निराकरण करें -कलेक्टर

विजय मत, रीवा

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। इसमें 50 दिन से अधिक समय से लंबित आवेदनों का तत्काल निराकरण करायें। समाधान आनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी शीघ्र निराकरण करें। अभी भी लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागए राजस्व विभागए ग्रामीण विकास विभागए खाद्य विभागए नगरीय निकायए श्रम विभागए शिक्षा विभागए स्वास्थ्य विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में ब?ी संख्या में आवेदन पत्र लंबित हैं। अधीक्षण यंत्री विद्युत मंडल बिजली बिलों के सुधार तथा बिजली आपूर्ति से संबंधित सभी आवेदनों का तीन दिवस में निराकरण करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि फसलों की कटाई के बाद खेत खाली हैं। एसडीएम और तहसीलदार टीम बनाकर सीमांकन के लंबित प्रकरणों का निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज सीमांकन के सभी प्रकरण 7 दिवस में निराकृत करें। पटवारी तथा राजस्व निरीक्षक का दल बनाकर उन्हें सीमांकन का दैनिक लक्ष्य निर्धारित करें। सीमांकन होने के बाद पोर्टल पर जानकारी दर्ज कर लंबित आवेदनों का निराकरण करें। समग्र पोर्टल में ईकेवाइसी अपडेशन की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर अपर कलेक्टर समुचित कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों का ईकेवाईसी अपडेशन अभी केवल 80 प्रतिशत हुआ है। शेष बचे हितग्राहियों का 15 मई से पहले ईकेवाईसी अपडेट कराने के साथ विषमता परिवारए मृत सदस्यों तथा स्थाई रूप से पलायन करने वालों का नाम पोर्टल से पृथक करें।

कलेक्टर ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड में निर्धारित सभी बिन्दुओं पर संबंधित अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करें। उप संचालक कृषि द्वारा पंचनामें के साथ नरवाई की घटनाओं की रिपोर्ट दी गयी है। सेटेलाइट से प्राप्त इस रिपोर्ट के आधार पर नरवाई जलाने वालों पर एसडीएम और तहसीलदार दो दिवस में जुर्माने की कार्यवाही करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जल संरक्षण के कार्यों की प्रशासकीय तथा तकनीकी स्वीकृत जारी कराके खेत तालाब और अमृत सरोबरों का निर्माण शुरू करायें। वाटर हार्वेड्डस्टग और हैण्डपंप तथा कुंओं में रिचार्ज पिट बनाने का भी अभियान चलाये। भारत सरकार द्वारा देश को क्षय रोग से मुक्त बनाने के लिए क्षय नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

मिलावट खोरी

जनता के स्वास्थ्य से हो रहा खिलवाड़, अधिकारी नींद में, मिलावटखोरी का अड्डा बनीं तेल मिले

शहडोल में मिलावटी तेल का खेल बेखौफ जारी

विजय मत, शहडोल

जिले की तेल मिलों में मिलावट का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। मिल मालिक न तो सरकार के आदेशों की परवाह कर रहे हैं और न ही सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस की। सरसों के तेल में राइस ब्रान, सोया तेल और पाम ऑयल मिलाकर उसे असली के रूप में बाजार में बेचा जा रहा है। ये तेल बाकायदा नामी ब्रांड की बोतलों व टीनों में भरकर बेचे जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ता असली-नकली में फर्क नहीं कर पा रहे।

खाद्य विभाग की लापरवाही, निरीक्षण में शून्यता

खाद्य विभाग के अधिकारी पूरी तरह निष्क्रिय हैं। पिछले कुछ महीनों में विभाग ने केवल एक नमूना जांच के लिए भरा है, जो कि खानापूर्ति से अधिक कुछ नहीं कहा जा सकता। निरीक्षण की बात तो दूर, त्योहारों के समय भी अधिकारियों की आंखें बंद रहीं। विभाग की यह लापरवाही माफियाओं को खुलेआम कारोबार करने की छूट दे रही है।

5000 से ज्यादा खाद्य प्रतिष्ठान, नियंत्रण के नाम पर ढकोसला

शहडोल जिले में 5000 से अधिक खाद्य प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से लगभग 1000 बड़े कारोबारी हर महीने लाखों का लेन-देन करते हैं। बावजूद इसके विभाग के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है। जिले में मिलावटखोरी इस कदर हावी है कि आम उपभोक्ता हर रोज अपने स्वास्थ्य के साथ समझौता कर रहा है।

प्रशासनिक दावे ज़मीनी हकीकत से कोसों दूर

प्रशासन की तरफ से भले ही दावा किया जा रहा हो कि मिलावट पर लगाम लगाई जा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बाजारों में मिलावटी सरसों तेल बेखौफ बिक रहा है। ब्रांडेड बोतलों में पैक ये मिलावटी तेल आम आदमी की रसोई तक पहुंच चुका है और रसोई का बजट भी बिगाड़ रहा है।

रंग-रूप में असली, लेकिन ज़हर से भरा तेल

सूत्रों के अनुसार पीले और चमकीले रंग वाला यह मिलावटी तेल असली सरसों तेल जैसा दिखता है, लेकिन इसमें मिलाए गए घटिया तेल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। इस तेल के सेवन से न केवल पाचन तंत्र प्रभावित हो रहा है, बल्कि हृदय और यकृत संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।

दूधारू पशुओं पर भी असर

यह मिलावटी तेल केवल मनुष्यों के स्वास्थ्य पर असर नहीं डाल रहा, बल्कि जिन पशुओं को यह तेलयुक्त चारा या बचे हुए तेल दिए जाते हैं, वे भी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इससे दूध की गुणवत्ता पर भी असर पड़ रहा है।

छापेमारी का दिखावा, कार्रवाई ठंडे बस्ते में

सरकारी छापेमारी महज़ कोरम तक सीमित है। जब भी मीडिया या उच्च अधिकारियों का दबाव आता है, तब कुछ दिनों तक दिखावटी छापे मारने का काम किया जाता है। लेकिन जैसे ही मामला शांत होता है, वैसे ही सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। तेल माफिया इन गतिविधियों से बिल्कुल भी डरते नहीं, क्योंकि उन्हें पता है कि कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित है।

कलेक्टर के आदेश भी बेअसर

खुद कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं हो रहा। विभाग के अधिकारी इन आदेशों को दरकिनार कर चुप्पी साधे बैठे हैं। यह स्थिति न केवल प्रशासन की विफलता को उजागर करती है, बल्कि यह भी बताती है कि विभागीय लापरवाही ने माफियाओं को मनमानी करने की छूट दे दी है।

बाजार में मूल्यवृद्धि और कालाबाजारी

मिलावटखोरी के साथ-साथ खाद्य वस्तुओं की कालाबाजारी भी तेज़ी से बढ़ रही है। खुदरा बाजार में खाद्य तेल समेत अन्य वस्तुओं के दामों में 10 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग भी उदासीन

स्वास्थ्य विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। लोगों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहे खतरे के बावजूद विभाग केवल कागजी कार्रवाई कर रहा है। इस प्रकार की निष्क्रियता से माफियाओं के हौसले बुलंद हो रहे हैं और जनता की सेहत खतरे में पड़ रही है।

दैनिक विजय मत

www.vijaymat.com

भोपाल, शुक्रवार 09 मई 2025

न्यूज इन शॉर्ट

आकाश और लक्ष्मी सात फेरो के साथ बंधे वैवाहिक जीवन में

शहडोल। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम रसपुर में आयोजित विवाह सम्मेलन में ब्यौहारी के रहने वाले आकाश कुशवाहा और लक्ष्मी कुशवाहा ने सात फेरो के साथ वैवाहिक जीवन में बांधे। उन्होंने मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि विवाह करने में हमें काफी सहूलियत हुई और हमें सरकार द्वारा 49 हजार के साथ हमे गृहस्थ जीवन की सामग्री भी प्रदान किया गया है। उन्होने बताया कि शादी योग्य होने पर प्रदेश सरकार व्दारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का लाभ मिल गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बेटियों के लिए वरदान साबित हुई है। इस योजना के तहत घर जैसे वातावरण में बेटियों का विवाह गाजे बाजे के साथ संपन्न किया जाता है तथा उपहार स्वरूप 49 हजार रूपये चेक वधू को दिया जाता है।

ब्योहारी में भव्य संगीतमय शिव महापुराण कथा का आयोजन

ब्यौहारी। रेलवे रोड पर धर्मादुबे मंदिर के सामने राजू सोनी कुशल के बगीचे में दस दिवसीय शिव महापुराण कथा प्रारम्भ। सैकड़ों श्रोता पंहुच,कर रहे कथा श्रवण! परमपूज्य 1008श्री रेवांचल महंत स्वामी भगत गिरी बच्चू महराज जी की सद्प्रेरणा से जानकी नवमी के पावन पर्व पर भव्य संगीतमय श्रीमद् श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन मेनरोड धर्मा दुवे मंदिर के सामने कथा वाचक श्री ज्ञान जी महराज के मुखारविंद से दस दिवसीय कथा वाचन किया जा रहा है।वेदपाठ प्रातः 6 बजे से 7 बजे तक, मूलपाठ 7 बजे से 12 बजे तक। तथा प्रबचन 4 बजे से 7 बजे तक आयोजित होता है। जिसमें सैकड़ों श्रोता कथा का रसपान करने पहुंच रहे हैं।

शिक्षक संघ का प्रांतीय अभ्यास वर्ग अमरकंटक में आयोजित

शहडोल। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ शहडोल के अध्यक्ष लालजी तिवारी के द्वारा दी गई लिखित सूचना के अनुसार मध्य प्रदेश शिक्षक संघ शहडोल संभाग को प्रांतीय अभ्यास वर्ग का दायित्व मिला है अभ्यास वर्ग में संयोजक महेंद्र त्रिपाठी प्रांतीय सचिव अनिल सिंह संभागीय अध्यक्ष संगठन मंत्री नरेंद्र पटेल शहडोल उमरिया अनूपपुर के जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी कैलाश गौतम संजय निगम द्वारा यह आग्रह पूर्वक अपील की गई है कि तीन दिवसीय अभ्यास वर्ग 10 से 12 मई समस्त हमारे पुराने सभी मार्गदर्शक सेवानिवृत्ति शिक्षक संरक्षक के साथ-साथ नगर ब्लॉक तहसील जिला जिले सभी इकाइयों के पदाधिकारी कार्यकारिणी सदस्यों सहित जिले में संभाग के पदाधिकारी जिले से प्रांतीय पदाधिकारी पूर्व एवं वर्तमान यथा उचित समय निकाल कर मां नर्मदा सोनभद्र एवं जोहिला के संगम केंद्र तीर्थ क्षेत्रअमरकंटक में प्रांतीय अभ्यास वर्ग 10, 11 एवं 12 मई को शामिल हों। शिक्षक संघ के समस्त जिम्मेदार इस कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने में तन मन धन से समर्पित भाव से लगे हुए हैं इस अवसर पर कहीं हम इतने बड़े आयोजन के प्रत्यक्षदर्शी ना बन सके इसलिए शहडोल संभाग के आयोजक संभाग के नाते संख्या बल अपेक्षित ना होकर हम सभी जिम्मेदार साथियों को सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया गया है आप अपनी सुविधा अनुसार उपस्थित होकर निर्धारित कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका का निर्माण करें।

अवैध शराब जप्त

शहडोल जिले में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने.अपने क्षेत्रों में अवैध शराब के विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें।अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की गईए जिसमें कुल 06 स्थानों पर दबिश दी गई। इस कार्रवाई में 33 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब जप्त की गईए जिसकी कुल कीमत 3,300 रू. है। सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

काँग्रेस ने आगामी आदेश तक सभी विरोध प्रदर्शन व बैठक पर लगाई रोक

शहडोल। मध्यप्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने जिला काँग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया है कि, देश की वर्तमान परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए काँग्रेस द्वारा आगामी आदेश तक किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन व बैठक पर पूर्णतः रोक लगाई जा रही है।साथ ही जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने जिले के समस्त काँग्रेसजनों को निर्देशित करते हुए कहा है कि सभी काँग्रेसजन अपने - अपने क्षेत्र मे निवासरत फौजी भाइयों के घर जाकर उनका एवं उनके परिवारजनों का माल्यार्पण कर सम्मानित करें व भारतीय फौज जिंदाबाद के नारे लगाएं। उक्त जानकारी जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की।

तीन करोड़ की लागत, आठ साल में बर्बादी, प्रशासनिक उदासीनता ने छीनी पहचान

मोहनराम तालाब की उजली तस्वीर अब धुंधलाई

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिला मुख्यालय का मोहनराम तालाब न केवल धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा है, बल्कि यह लंबे समय तक शहर के नागरिकों के लिए सुकून, शांति और सौंदर्य का स्थान रहा है। कभी यह तालाब सुबह-शाम टहलने, बैठने और मेल-जोल का पसंदीदा स्थान था। लेकिन समय के साथ इसकी पहचान मिटती जा रही है। कभी चमकते घाट और फव्वारे अब जर्जरता की निशानी बन चुके हैं।

2017 में हुआ था भव्य सौंदर्यीकरण

14 मई 2017 को तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण हुआ था। यह कार्य लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया था। इस राशि में जनभागीदारी योजना, निकाय निधि, और खनिज प्रतिष्ठान मद का उपयोग हुआ था। तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। इसमें पक्के घाट, टाइल्स, फव्वारे, रोशनी की व्यवस्था, बुर्ज निर्माण और बाउंड्रीवाल का निर्माण शामिल था। लोकार्पण कार्यक्रम में उस समय के खनिज एवं वाणिज्य उद्योग मंत्री राजेंद्र शुक्ला, स्थानीय विधायक प्रमिला सिंह, और नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश जगवानी सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उस समय तालाब की सुंदरता देखकर लोग मंत्रमुग्ध थे। लोगों को उम्मीद थी कि यह स्थल अब शहर का गौरव बनकर उभरेगा।

तीन करोड़ खर्च हुए, लेकिन ज़मीनी हालात चौंकाने वाले

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के समय ही घटिया सामग्री का उपयोग किया गया था। सीमेंट, पत्थर, लोहे और फिनिशिंग सामग्री की गुणवत्ता बहुत खराब थी। इसकी वजह से यह निर्माण अधिक समय तक टिक नहीं सका। तीन करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च करने के बावजूद, आज की स्थिति देखकर कोई भी यह नहीं कह सकता कि यहां इतने बड़े बजट का काम हुआ था।

नगरपालिका की जिम्मेदारी पर उठ रहे सवाल

तालाब की देखरेख की जिम्मेदारी नगर पालिका की थी। सौंदर्यीकरण के बाद यह अपेक्षित था कि समय-समय पर मरम्मत, साफ-सफाई और संरचनात्मक निरीक्षण किया जाएगा। लेकिन हकीकत यह है कि पिछले छह-सात वर्षों में कोई बड़ा मरम्मत कार्य नहीं हुआ। न ही फव्वारे ठीक किए गए, न लाइटिंग सुधारी गई, और न ही घाटों की सफाई या पत्थरों की मरम्मत कराई गई।

शिकायतें हुईं, लेकिन कार्रवाई नहीं

स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा कई बार इस मुद्दे को उठाया गया। नगरपालिका, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन उनकी ओर से कोई ठोस जवाब नहीं मिला। कुछ समय के लिए मामूली सफाई कराई गई, पर वह भी सतही साबित हुई। लोगों को महसूस होने लगा है कि प्रशासन इस मुद्दे पर पूरी तरह उदासीन हो चुका है।

कभी जहां चहल-पहल थी, अब सन्नाटा पसरा है

एक समय था जब यह तालाब सुबह-शाम लोगों से गुलजार रहता था। बच्चे खेलते थे, बुजुर्ग ताजगी लेते थे, और स्थानीय लोग यहां समय बिताते थे। त्योहारों और धार्मिक आयोजनों पर यहां रौनक होती थी। लेकिन अब वहां सन्नाटा पसरा रहता है। गंदगी, टूटी सीढ़ियां, उखड़ी टाइल्स और बदहाल दीवारें इस जगह को असुरक्षित बना चुकी हैं।

पर्यटन की संभावनाओं को भी झटका

तालाब को एक स्थानीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम उठाए गए थे। सौंदर्यीकरण के समय अनुमान लगाया गया था कि बाहरी पर्यटक यहां आएंगे और स्थानीय रोजगार के अवसर भी बनेंगे। लेकिन आज स्थिति इसके विपरीत है। यह स्थल अब किसी को आकर्षित नहीं करता। पर्यटन की संभावनाएं समाप्तप्राय हैं।

चमकती धरोहर से खंडहर बनने तक

यह सुंदरता कुछ ही वर्षों तक टिक सकी। सिर्फ दो-तीन सालों के भीतर ही सौंदर्यीकरण की पोल खुलने लगी। घाटों पर लगी टाइल्स उखड़ गईं, सीढ़ियां टूट गईं, फव्वारे काम करना बंद कर गए और चारों ओर अव्यवस्था फैल गई। बुर्जों की दीवारें दरकने लगीं और बाउंड्रीवाल कई स्थानों से टूट चुकी है। अब स्थिति यह है कि यह ऐतिहासिक तालाब पूरी तरह उपेक्षा और अनदेखी का शिकार हो चुका है।

---

350 जोड़े एक दूसरे को वरमाला पहनाकर शादी के बंधन में बंधे

विजय मत, शहडोल

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना अंतर्गत जिले के ब्यौहारी जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत रसपुर में सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न हुआ। आयोजन में 349 जोडों की शादी हिन्दू एवं 1 जोड़े का निकाय मुस्लिम रीति रिवाज से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेवारी जिला प्रशासन सम्हाल रहा था। वहीं जनप्रतिनिधि एवं आम जन बाराती थे। ब्यौहारी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत रसपुर के उक्सा बगीचा में रंग विरंग परिधानों में वर एवं वधू एवं परिजन, रिश्तेदार उत्साह के साथ सुबह से ही विवाह स्थल में पहुंच रहे थे। खुशनुमा माहौल था। ग्रामीण जन अतिथियों के स्वागत सत्कार की व्यवस्था में जुड़े हुए थें। घराती एवं बाराती पक्ष अपने मेहमानों के साथ कार्यक्रम स्थल में पहुंच रहे थे। ढोल ढमाके, बाजे,गाजे के साथ बारात निकली, जिसकी अगुआई जिला प्रशासन की तरफ से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री सौम्या आनंद, तहसीलदार दीपेन्द्र पाडेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विजय सिंह उप संचालक सामाजिक न्याय सुश्री प्रज्ञा मरावी व अन्य अधिकारियों के द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा नव वर-वधू को राज्य सरकार के प्रावधान के अनुरूप 49 हजार रूपये के चेक भेंट किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अब बेटियां अपने ससुराल खाली हाथ नहीं जाएंगी। प्रदेश सरकार गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह की जवाबदारी अपने हाथों में ले रखी है। कन्याओं का विवाह पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया गया। अब कन्या विवाह के लिए अभिभावकों को अपनी जमीन या जायजाद गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कन्या पक्ष वर तलाश कर ऑनलाइन आवेदन करें। विवाह की सम्पूर्ण जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना के तहत गरीब परिवारों की कन्याओं का विवाह धूम-धाम से सम्पन्न होने पर गर्व महसूस होता है।

राशनधारी हितग्राही 15 मई तक कराएं ई-केवाईसी

शहडोल। जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने जानकारी दी है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से का खाद्यान्न निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्राथमिकता परिवारों को 05 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति सदस्य व अन्त्योदय परिवारों को 35 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति परिवार के मान से निःशुल्क वितरण किया जा रहा है साथ ही समस्त हितग्राहियों को नमक का वितरण 1.00 रूपये प्रति किलो की दर से एवं अन्त्योदय परिवारों को शक्कर का वितरण 20.00 रूपये प्रति किलो की दर से किया जा रहा है। शहडोल जिले में 226170 परिवार एवं 832374 सदस्यों को वर्तमान में निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है और निरंतर सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं द्वारा कैम्प लगाकर एवं घर-घर जाकर ड्डयड्ढ्ढ्ड की जा रही है। 7मई तक जिले में 730250 हितग्राहियों की पीओएसी मशीन एवं मेरा ड्डयड्ढ्ढ्ड ऐप्प से की जा चुकी है। जिले में अभी भी 102124 हितग्राहियों की ड्डयड्ढ्ढ्ड शेष है। जिन हितग्राहियों की 15 मई तक नही हो पायेगी ।उन्हे आगामी माह से खाद्यान्न प्राप्त नही होगा।

महिला की संदिग्ध हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, आरोपी गिरफ़्तार

विजय मत, शहडोल

थाना अमलाई क्षेत्र में घटित महिला की संदिग्ध मृत्यु के प्रकरण में अमलाई पुलिस ने जांच व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।थाना अमलाई में एक महिला की संदिग्थ मृत्यु की सूचना प्राप्त हुई थी। मृतिका का नाम कमला बाई पति राम सहाय अगरिया, उम्र 42 वर्ष, निवासी नीचे दफ्ई, अमराडंडी, वार्ड क्रमांक 11, थाना अमलाई, जिला शहडोल म.प्र. था।मर्ग जांच के दौरान सूचनाकर्ता राम सहाय अगरिया के कथनों, घटना स्थल का निरीक्षण, शव पंचनामा, तथा डॉक्टरों की पी.एम. रिपोर्ट से यह तथ्य सामने आया कि मृतिका की मृत्यु किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मुंह और नाक दबाकर दम घोंटने से हुई है, जो स्पष्ट रूप से हत्या का मामला पाया गया। डॉक्टर टीम की रिपोर्ट में भी मृत्यु का कारण यही स्पष्ट किया गया। इस आधार पर थाना अमलाई में बी.एन.एस. के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। गहन विवेचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही राहुल कुमार शर्मा पिता रविन्द्र कुमार शर्माए उम्र 33 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 02, कॉलेज कॉलोनी, थाना बुढ़ार को चिन्हित किया गया।संदेही आरोपी से पूछताछ की गईए जिसमें आरोपी राहुल कुमार शर्मा द्वारा अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपी राहुल कुमार शर्मा को 7 मई को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

दुर्गा सिंह ने बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त कर जिले का नाम किया रोशन

शहडोल। शहडोल जिले के सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओपीएम अमलाई में अध्यनरत कक्षा12 वी छात्रा दुर्गा सिंह ने बोर्ड परीक्षा में उच्चतम अंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। जिले की होनहार छात्रा दुर्गा सिंह ने इस वर्ष की कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 92.26 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। जो जिले के लिए एक गर्व का विषय है। दुर्गा सिंह ने कहा कि यह सफलता माता-पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतीक है। उन्होंने बताया नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की है। दुर्गा सिंह आगे चलकर सी.ए. बनना चाहती है।

छात्रों के विकास में आधारभूत विषयों की महत्ता

विजय मत, शहडोल

विद्या भारती सरस्वती षिक्षा परिषद द्वारा आयोजित 15 दिवसीय आचार्य सामान्य व दक्षता वर्ग के सप्तम् दिवस में मुख्य वक्ता नितिन चौधरी प्रादेषिक सह सचिव ने भैया/बहिनों के समग्र विकास में आधारभूत विषयों की महत्ता पर प्रकाष डालते हुए कहा कि पूर्व काल में शैक्षिक सामग्री न होने के बावजूद ऋषि मुनि आधारभूत विषयों के प्रयोग से उत्तम ज्ञान-विज्ञान को सिखा दिया करते थे । आधारभूत विषय शरीर के पंच कोषों अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष और आनंदमय कोष के विकास की दृष्टि से क्रमषः शारीरिक, योग, संगीत, संस्कृत, नैतिक एवं आध्यत्मिक षिक्षा सर्वांगीण विकास में प्रमुख साधन हैं ।संवाद सत्र में विषिष्ट अतिथि कमल प्रताप सिंह पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने महाकोषल प्रांत के 22 जिलों से आए षिक्षार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि मैं सरस्वती पाण्डवनगर विद्यालय में संरक्षक, अध्यक्ष व व्यवस्थापक के दायित्व पर कार्य करते हुए विद्या भारती की रीति-नीति को समझा व पाया कि सरस्वती षिषु मंदिर में छात्रों को षिक्षा के साथ राष्ट्रप्रेम, सेवा व स्वावलंबन की षिक्षा दी जाती है इसलिए इस संस्था से पढ़कर निकला हुआ छात्र कभी बेरोजगार नहीं होता बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाता है । प्रषिक्षण वर्ग में महाकोषल प्रांत के 144 आचार्य/दीदी, 20 प्रषिक्षक व 20 पदाधिकारियों द्वारा नई षिक्षा नीति के अनुसार षिक्षित व दिक्षित किये जा रहे हैं । वर्ग में प्रांत संगठन मंत्री अमित दवे का सतत मार्गदर्षन प्राप्त हो रहा है । संस्था प्राचार्य अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि वर्ग में षिवानन्द सिनहा (प्रांत प्रमुख), रविषंकर शुक्ल (प्रांत प्रषिक्षण प्रमुख) हरीराम तिवारी (सह प्रांत प्रमुख), रामबहोरी पटेल, रामषिरोमणि शर्मा, बैकुण्ठ साह, मनोज पुरी गोस्वामी, गुरूप्रसाद शुक्ला, प्रबंध समिति से संतोष कुमार लोहानी (व्यवस्थापक), विष्णुकांत मिश्रा (सह व्यवस्थापक), का सानिध्य प्राप्त हो रहा है ।

उदासीनता

बुढ़वा ग्राम पंचायत में विकास की धीमी चाल से ग्रामीण परेशान

पैसा आया पर नहीं बना पशु अस्पताल-बुढ़वा के ग्रामीणों की उपेक्षा का प्रतीक

विजयमत,शहडोल

शहडोल जिले के अंतिम छोर पर स्थित बुढ़वा ग्राम पंचायत में पशु अस्पताल की हालत जर्जर हो चुकी है। दो साल पहले खनिज मद से इस अस्पताल की नई इमारत के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत हो चुका है, फिर भी अब तक कोई निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। यह मामला प्रशासनिक उपेक्षा और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है।

एक अस्पताल, 12 ग्राम पंचायतें इलाज के लिए जद्दोजहद

बुढ़वा पशु अस्पताल न केवल इसी ग्राम पंचायत के लिए, बल्कि आसपास की 12 ग्राम पंचायतों के लिए भी एकमात्र सहारा है। पशुओं की बढ़ती संख्या और बीमारियों के बीच इस एक अस्पताल पर अत्यधिक दबाव है। यह अस्पताल फिलहाल एक कच्चे और जर्जर मकान में संचालित हो रहा है, जिससे इलाज में लगातार बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

बजट स्वीकृत, निर्माण अब तक अधर में

वर्ष 2022 में खनिज न्यास निधि (ष्ठरूस्न) से इस अस्पताल के भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई थी, और यह राशि बुढ़वा ग्राम पंचायत के खाते में भी स्थानांतरित की जा चुकी है। बावजूद इसके, दो वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। पंचायत सचिव उदय राज सिंह ने बताया कि राशि पंचायत के पास है और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

डॉक्टर की परेशानी- इलाज में आ रही हैं दिक्कतें

पशु अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर सुभाष त्रिपाठी का कहना है कि भवन के अभाव में इलाज की प्रक्रिया बाधित हो रही है। ÷बारिश के समय छत टपकने लगती है, और गर्मियों में मकान की दीवारें तपती हैं। यहां बैठकर उपचार करना मुश्किल होता जा रहा है,÷ उन्होंने बताया। आधुनिक उपकरणों के लिए स्थान नहीं है, जिससे इलाज में समय और संसाधन दोनों की बर्बादी हो रही है।

ग्रामीणों की पीड़ा- सुनवाई नहीं, समाधान नहीं

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार तहसीलदार और जनप्रतिनिधियों से अस्पताल निर्माण की मांग कर चुके हैं, लेकिन अभी तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। पशुपालक रवि कुमार ने कहा, ÷हमारे जानवर बीमार हो जाते हैं, तो हमें इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यहां सुविधा नहीं है, तो हम क्या करें।

राजनीतिक उदासीनता बन रही बड़ी बाधा

बुढ़वा जैसी सीमावर्ती पंचायतों में अक्सर विकास कार्यों को प्राथमिकता नहीं मिलती। शहडोल से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी पर होने के कारण यहां अफसरों का ध्यान कम जाता है। यहां की समस्याएं तब तक नहीं सुलझतीं जब तक कोई बड़ा जनांदोलन न खड़ा हो।

स्थानीय प्रशासन की भूमिका सवालों के घेरे में- प्रशासनिक स्तर पर भी इस मामले में गंभीरता का अभाव दिखाई देता है। अगर दो वर्षों से राशि खाते में है, तो अब तक निर्माण क्यों नहीं शुरू हुआ? जवाबदेही तय न होना, पंचायत और जिला प्रशासन के बीच समन्वय की कमी का प्रमाण है।

युवराज सहित कई क्रिकेटरों ने रोहित के योगदान को सराहा और उन्हें शांत योद्धा' बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के साथ ही एक युग का समापन हो गया। रोहित ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को लगातार आगे बढ़ाया। वह एक सफल नेतृत्वकर्ता' के रूप में उभरे और 'ड्रेसिंग रूम में उनकी कमी हमेशा खेलेगी। वह अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट में ही खेलेंगे। रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी उनकी सराहना की है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें एक 'शांत योद्धा' बताया।

युवराज ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपसे बहुत कुछ अपेक्षित है - जज्बा, धैर्य और चरित्र। भाई, आपने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया और इसे बेहद सहज बना दिया। एक शांत योद्धा से लेकर शीर्ष पर एक नेतृत्वकर्ता तक, आपकी यात्रा विशेष रही है। आप पर गर्व है, शुभकामनाएं।' वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट टीम में रोहित की अनुपस्थिति के कारण पैदा हुए भावनात्मक शून्य को दोहराया। पंत ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आपकी उपस्थिति और प्रभाव हमेशा ड्रेसिंग रूम में गूंजता रहेगा। हमेशा के लिए प्यार रोहित भाई।' पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा, 'एक युग का अंत ! रोहित टेस्ट क्रिकेट में आपका धैर्य, अनुग्रह और नेतृत्व हमेशा भारत की क्रिकेट यात्रा का एक बड़ा हिस्सा रहेगा। यादों के लिए धन्यवाद, कप्तान!'

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने महसूस किया कि रोहित ने 'सही समय पर सही निर्णय लिया।' वहीं बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने पुरानी यादों को ताजा किया। मयंक ने लिखा, 'पवेलियन से बाहर आना, 22 गज की पिच पर आपसी समझ, ड्रेसिंग रूम में हंसी-मजाक और मैदान पर हावी होने की मानसिकता। आपके साथ सफेद कपड़ों में ये यादें साझा करके खुशी हुई।' पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने एक खिलाड़ी और एक नेता के रूप में भारतीय क्रिकेट में रोहित के 'अतुलनीय' योगदान को याद किया। उन्होंने लिखा, 'रोहित को बहुत-बहुत सलाम! भारतीय क्रिकेट में आपका योगदान अतुलनीय है। रोमांचक पारियों से लेकर जुनून और गर्व के साथ टीम का नेतृत्व करने तक, आपने अपना सब कुछ झौंक दिया है। आपको एक अच्छी छुट्टी और खुशियों से भरे भविष्य की शुभकामनाएं!' युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जायसवाल ने कहा, 'रोहित भाई, सफेद कपड़ों में आपके साथ क्रीज साझा करना किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। हर चीज के लिए धन्यवाद।'

वरुण सबसे तेजी से 100 विकेट लेने वाले गेंदबाजों के क्लब में शामिल

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में केकेआर की ओर से खेल रहे स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अब सबसे तेजी से 100 विकेट लेने वाले स्पिनरों में शामिल हो गये हैं। सीएसके के खिलाफ मैच में वरुण ने अपने 100 विकेट पूरे किये। ये विकेट उन्होंने केवल 83 मैचों में लिए हैं।

इससे पहले ये उपलब्धि अमित मिश्रा के अलावा अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान के नाम थी। वहीं वरुण ने भी केवल 83 मैचों में 100 आईपीएल विकेट पूरे कर इस सूची में शामिल हो गये हैं। वहीं 100 विकेट लेने वाले अन्य स्पिनर हैं युजवेंद्र चहल व सुनील नरेन। चहल ने 84 मैचों और नरेन ने 86 मैचों में ये विकेट लिए।

लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने 84 मैचों में 100 आईपीएल विकेट लिए। चहल ने अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से यह उपलब्धि हासिल की है। वह सबसे तेजी से 100 विकेअ लेने वालो में दूसरे गेंदबाज हैं। ने उन्हें इस सूची में दूसरा स्थान दिलाया।

वेस्टइंडीज के रहस्यमयी स्पिनर सुनील नरेन ने 86 मैचों में 100 आईपीएल विकेट लिए हैं। नरेन ने अपनी कसी हुई गेंदबाजी और रहस्यमयी गेंदबाजी से बल्लेबाजों की परेशानी बढ़ायी है।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बोनस अंक दे सकता है आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारत और इंग्लैंड के बीच जून में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से शुरु होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 चक्र से बोनस अंक दे सकती है। वर्तमान नियमों के अनुसार अभी छोटे अंतर या एक पारी के अंतर से जीतने वाली टीम को 12 अंक, मैच टाई होने पर छह अंक और ड्रॉ रहने पर चार अंक मिलते हैं पर अब आईसीसी बड़े अंतर से मिलने वाली जीत या पारी के अंतर की जीत पर बोनस अंक दे सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्लयूटीसी सत्र शुरू होने से ही पारी की जीत पर बोनस अंक देने जैसे मामलों पर बात हो रही है क्योंकि कई टीमों का मानना है कि बड़ी टीमों को हराने पर उन्हें उतना लाभ नहीं मिल रहा है जितना मिलना चाहिये। वहीं एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'अगर ऐसा होता है तो ये अच्छी शुरुआत होगी।

अगले सत्र के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों पर ध्यान दे रहे धोनी

कोलकाता, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन आईपीएल के इस 18 सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसे केवल तीन मुकाबलों में ही जीत मिली है। टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मुकाबले में मिली जीत के बाद कहा है कि टीम ने अगले सत्र की तैयारियों पर ध्यान देंगे। धोनी ने कहा कि इस बार कई बातें हमारे खिलाफ रहीं जिससे भी टीम को नुकसान हुआ। धोनी ने जोर देकर कहा कि व्यावहारिक रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमें यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। हमारे पास 25 खिलाड़ी हैं और मैं इस पर ध्यान दे रहा हूं कि अगले साल के लिए कौन सा बल्लेबाज कहां उपयोगी साबित हो सकता है। इसके अलावा कौन सा गेंदबाज हालातों के अनुसार ढ़ल सकता है।

धोनी ने बल्लेबाजों से कहा कि रन नहीं मिलने पर भी वह अपना मनोबल बनाये रखें और अपनी क्षमता से शॉट लगायें। धोनी ने आयुष म्हात्रे जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि ये खिलाड़ी अब हमारे दल का हिस्सा हैं। आप उन्हें नेट्स या प्रैक्टिस मैचों में देख सकते हैं। उन्हें अवसर देना जरूरी है जिससे ये मानसिक मजबूती और खेल को लेकर जानाकारी हासिल कर सकें। साथ ही कहा कि तकनीक से ज्यादा जरूरी है कि वे गेंदबाज की रणनीति को समझें और उनकी खराब गेंद को पकड़कर शॉट खेलें। वहीं अपने भविष्य को लेकर सवाल पर धोनी ने कहा हर जगह मिलने वाला प्यार और सम्मान शानदार है। मैं केवल दो महीने खेलता हूं। इस आईपीएल के बाद मुझे अपने शरीर की स्थिति देखनी होगी कि क्या मैं इस दबाव को झेल सकता हूं। अभी कुछ तय नहीं किया जा सकता है।

बावुमा का डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलना संदिग्ध

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के टेस्ट कैप्टन टेम्बा बावुमा के जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेलने को लेकर आशंकाएं हैं। बाउमा अभी तक कोहनी की चोट से नहीं उबरे हैं। डब्ल्यूटीसी का फाइनल मुकाबला 11 जून से शुरु होगा और इसमें अभी दो माह का ही समय है। बावुमा कोहनी में चोट के कारण घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट टूर्नामेंट से भी बाहर हैं। बावुमा पहले फाइनल के लिए केप टाउन से लायंस टीम के साथ जुड़ने वाले थे पर अब भी फिट नहीं होने के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा है।

जूनियर विश्व कप हॉकी में अच्छा प्रदर्शन करना है लक्ष्यः साक्षी राणा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा फॉरवर्ड साक्षी राणा का लक्ष्य इस साल के अंत में चिली में होने वाले जूनियर विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। हॉकी प्रो लीग में सीनियर टीम की ओर से खेलते हुए साक्षी ने अच्छा प्रदर्शन किया था जिससे भी इस खिलाड़ी के हौंसले बुलंद हैं। जूनियर विश्वकप इस साल के अंत में चिली में होगा। साक्षी ने स्पेन के खिलाफ पदार्पण मैच में ही गोल किया था जबकि भारतीय टीम ये मुकाबला 3-4 से हार गयी थी। साक्षी ने कहा, 'मैं लंबे समय से पदार्पण का इंतजार कर रही थी इसलिए टीम में जगह पाकर उत्साहित हूं। मैं मैच से पहले दबाव में नहीं थी क्योंकि सीनियर खिलाड़ियों ने मेरा समर्थन कर कहा था कि निडर होकर खेलना। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य पहले मैच में गोल करने का था। मैने जब गेंद पाई तो देखा कि मेरे आसपास कोई नहीं है। मैने शॉट लगाया और गोल हो गया। । साक्षी ने कहा, 'मैने हॉकी इंडिया लीग और प्रो लीग में विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेला तो मुझे पता चला कि रफ्तार कितनी जरुरी है। मुझे फॉरवर्ड पंक्ति में होने के कारण मैदान पर अपनी रफ्तार अधिक से अधिक बढ़ानी होगी। इसलिए अब मैं इसी पर काम कर रही हूं। साक्षी पिछले साल जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम में भी शामिल थी। उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान जूनियर विश्व कप पर है और मैं इसके लिए काफी मेहनत कर रही हूं जिससे देश के पदक जीतने में अपनी ओर से योगदान दे सकूं।

बिजनेस

सोने का भाव 96,971 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 96,150 रुपए प्रति किग्रा

सोने की कीमतों में गिरावट, चांदी के दामों में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में एक बार फिर बड़ा उलटफेर हुआ है। गुरुवार को सोने की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है जबकि चांदी के भाव में 0.44 फीसदी की तेजी आई है। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.12 फीसदी गिरकर 96,971 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा है। चांदी 96,150 रुपए प्रति किग्रा पर है। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है।

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को 1,000 रुपए चढ़कर एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि दिल्ली के बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपए बढ़कर 1,00,750 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को यह 99,750 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना इसके पहले 22 अप्रैल को भी 1800 रुपए चढ़कर 1,01,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। भारतीय सशस्त्र बलों ने देर रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना भी शामिल है।

गूगल ने फिर दिखाया 200 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता

नई दिल्ली। टेक दिग्गज गूगल में फिर से कर्मचारियों की छंटनी की खबरें मिल रही है। रिपोर्टों की मानें तो कंपनी ने अपने ग्लोबल बिजनेस यूनिट में से करीब 200 कर्मचारियों को कंपनी से निकाल निकाल दिया है। गूगल के लिए यह टीम दुनियाभर में सेल्स और पार्टनरशिप का काम देखती है। बताया जा रहा है कि बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ध्यान दे रही हैं। एक बड़े पैमाने पर इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और शायद कर्मचारियों की छंटनी की भी यही वजह हो सकती है। इस वजह से कंपनी कर रही स्मॉल एडजस्टमेंट गूगल के इस कदम की जानकारी द इन्फॉर्मेशन ने अपनी रिपोर्ट में दी है। बताया जा रहा है कि कंपनियां डेटा सेंटर और एआई डेवलपमेंट पर खर्च कर रही हैं। इसके चलते कई पुराने सेगमेंट्स खत्म हो रहे हैं या वहां कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। रॉयटर्स को दिए एक बयान में गूगल ने इन बदलावों को स्मॉल एडजस्टमेंट बताया। इनका मकसद सहयोग को अधिक बढ़ावा देना और ग्राहकों को कितनी जल्दी सेवाएं दी जा रही हैं, इसमें सुधार करना है।

महंगाई से राहत ! वेज और नॉन-वेज थाली सस्ती हुई

■ शाकाहारी थाली 4 फीसदी घटकर सिर्फ 26.3 रुपए रह गई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की जनता के लिए अच्छी खबर है। एक नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2025 में एक सामान्य शाकाहारी थाली की कीमत 4 फीसदी घटकर सिर्फ 26.3 रुपए रह गई है। इस गिरावट की वजह सब्जियों के दामों में तेज गिरावट है, जैसे कि टमाटर 34, आलू 11 और प्याज 6 फीसदी तक सस्ते हो गए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि नॉन-वेज थाली की कीमत भी 4 फीसदी घटकर 53.9 रुपए रह गई है। इसमें सब्जियों के साथ-साथ पोल्ट्री की कीमतों में भी गिरावट है, जो बर्ड फ्लू की वजह से मांग कम होने और आपूर्ति बढ़ने के कारण हुआ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अगले 2-3 महीनों में गेहूं, दाल, और खाद्य तेल की कीमतों में और नरमी की संभावना बताई है, जिससे थाली की कीमत और भी कम हो सकती है। इस तरह की कीमतों में गिरावट से भारतीय जनता को बड़ी राहत मिली है, और आने वाले महीनों में खाने की लागत में और भी कमी की जाने की संभावना है।

नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर 10 मई से डिजिटल पेमेंट बंद

■ अब पेट्रोल-डीजल सिर्फ कैश में मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश भर में जहां डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं एक बड़ा फैसला महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आया है, जिसने रोजाना पेट्रोल पंप पर जाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल स्कैन कर पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों के लिए अब मुश्किल खड़ी होने वाली है, क्योंकि नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट बैन कर दिया गया है। विदर्भ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 10 मई से नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अब पेट्रोल या डीजल भरवाने के लिए आपको कैश लेकर जाना जरूरी होगा, वरना आपको ईंधन नहीं मिलेगा। फिलहाल लोग पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, कार्ड आदि के जरिए भुगतान करते हैं, लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिनों में बंद हो जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों ने पहले से ही ग्राहकों को सतर्क करना शुरू कर दिया है। यह निर्णय किसी तकनीकी खराबी या सरकारी आदेश के तहत नहीं लिया गया, बल्कि पेट्रोल पंप मालिकों की साइबर फ्रॉड से तंग आकर लिया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि पिछले कुछ समय में लगातार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां लोग नकली या फर्जी डिजिटल ट्रांजेक्शन दिखाकर पेट्रोल भरवा लेते हैं। इसके बाद वे राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर झूठी शिकायत दर्ज करवा देते हैं कि उनका पैसा काट लिया गया, जिससे पेट्रोल पंप मालिकों के बैंक खाते सीज (फीज़) हो जाते हैं। इसके चलते पेट्रोल पंप के संचालन पर बड़ा असर पड़ा है।

पाकिस्तान में ड्रोन अटैक की खबरों के बाद गिरा बाजार

सेंसेक्स 412 अंक नीचे 80,335 पर बंद, रियल्टी और मेटल शेयर्स फिसले

मुंबई, एजेंसी

हफ्ते के चौथे कारोबार दिन आज यानी गुरुवार (8 मई) को सेंसेक्स 412 अंक गिरकर 80,335 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 141 अंक नीचे 24,274 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 गिरावट के साथ बंद हुए। जोमैटो का शेयर 3.97 प्रतिशत गिरा है। महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, मारुति और टाटा स्टील के शेयर 3.5 प्रतिशत तक नीचे बंद हुए। वहीं, HCL, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक और टाइटन ऊपर बंद हुए।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 45 में गिरावट रही। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में रियल्टी 2.47 प्रतिशत, मेटल 2.09 प्रतिशत, हेल्थकेयर 1.95 प्रतिशत, ऑटो 1.90 प्रतिशत, फार्मा 1.62 प्रतिशत और सरकारी बैंकिंग इंडेक्स 1.35 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। IT और मीडिया में मामूली तेजी रही।

शुरुआती कारोबार में बाजार फ्लैट था। सेंसेक्स-निफ्टी मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तान के कई बड़े शहरों पर भारत के ड्रोन अटैक की खबरों के बाद बाजार के आखिरी आधे घंटे में अचानक गिरावट आई। पहलगाम हमले के जवाब में भारत की ओर से की गई एयरस्ट्राइक के बाद आज 8 मई को पाकिस्तान के शेयर बाजार में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई है। कराची-100 इंडेक्स 7,241 अंक या 6.58 प्रतिशत गिरकर 102,767 के स्तर पर बंद हुआ। गिरावट के कारण दिन में ट्रेडिंग भी रोकनी पड़ी थी। हालांकि, बाद में इसे फिर से चालू किया गया। कल भी बाजार में 3,556 अंक (3.13 प्रतिशत) की गिरावट रही थी। यानी, पाकिस्तान का बाजार दो दिन में करीब 10,000 पॉइंट गिर चुका है। वहीं 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से चस्श्व 100 में 13 प्रतिशत की गिरावट आई है।

भारतीय ग्रीन एनर्जी सेक्टर में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट 5 साल में 8 गुना हो गया। 2024-25 के दौरान देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर में करीब 12 अरब डॉलर (1 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा) का FDI आया। 2024-25 की पहली तीन तिमाहियों (9 महीने) में ही वित्त वर्ष 2023-24 के पूरे साल के बराबर विदेशी निवेश हो गया था।

रुपया 23 पैसे बढ़त के साथ 84.54 डॉलर पर पहुंचा

■ रुपया बुधवार को 42 पैसे गिरकर 84.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई, एजेंसी

रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और डॉलर कमजोर होने से स्थानीय मुद्रा को बल मिला, हालांकि भू-राजनीतिक तनाव निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.61 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.65 पर लुढ़क गया। हालांकि बाद में 84.54 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को 42 पैसे की गिरावट के साथ 84.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा।घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 50.00 अंक की गिरावट के साथ 80,696.78 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी 31.30 अंक फिसलकर 24,383.10 अंक पर रहा।

सेना की दो बेटियों ने बता दिया कि भारत की नारी सब पर भारी

भारत के माथे पर जीत का सिंदूरः आशीष अग्रवाल

विजय मत, भोपाल

पहलगाम में 22 अप्रैल को निर्दोष लोगों की हत्या पर पूरे देश में आक्रोश था। प्रत्येक नागरिक इस घटना में पाकिस्तान को जिम्मेदार बताते हुए उनके द्वारा पाले जा रहे आतंकवादियों पर बड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा था। भारतीय फौज द्वारा बीती रात पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करते हुए कई आतंकवादियों का सफाया कर दिया। इस पर खुशी मनाते हुए अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन के प्रदेश युवा इकाई के

कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आशीष गुप्ता अग्रवाल ने जश्न मनाया। हाथों में तिरंगा लेकर जमकर आतिशबाजी चलाई गई। भारत देश की सेना का जोश बढ़ाया गया। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द गोयल ने कहा कि हमें अपनी भारतीय सेना और सरकार पर पूरा भरोसा था। ऐसी ही कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। भारतीय सेना ने ईंट का जवाब पत्थर से दिया है। 26 के बदले 200 मारे हैं। उन्होंने कहा कि आतंकी किसी समाज का नहीं होता। वह सिर्फ आतंकी होता है। इस बात का सबूत भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक करके दिया है।

सेना की दो बेटियों बता दिया कि भारत की नारी सब पर भारी

भारत या भारत के किसी नागरिक की तरफ कोई आँख उठाकर देखे और कोई आतंकवादी गतिविधि करने की जुर्रत करे, तो उसका यही अंजाम होगा। आज हमारी सेना ने फिर से साबित करके दिखाया है। 22 अप्रैल की रात को सेना की दो बेटियों आगे कर यह साबित किया है कि भारत की नारी सब पर भारी है। पाकिस्तान गीदड़ भपकी से बाज आये, उसकी हर ईट का जवाब पत्थर से देने के लिये भारत तत्पर है। पुरा देश सरकार के हर कदम पर साथ खड़ा हैं। भारतीय सेना कार्यवाही पर देश के वीर सैनिकों व उन दोनों बेटियों को बहुत-बहुत बधाई जिन्होने रातो-रात आतंकवादियों के ठिकानों को तहश-नहश कर दिया। बधाई देने वालों में प्रांतीय अध्यक्ष गोविन्द गोयल, श्रीमती रश्मी अग्रवाल, मुकेश जैन, राहुल अग्रवाल, नितिन गुप्ता, सुनील अग्रवाल, कमलेश चाण्डक आदि शामिल हैं।

बंधुआ मजदूर जैसे करवा रहे डॉक्टरों से कार्य हाईकोर्ट ने कहा लौटाएं शैक्षणिक दस्तावेज

विजय मत, ब्यूरो, जबलपुर

रूरल बॉन्ड के नाम पर डॉक्टरों से उनके शैक्षणिक दस्तावेज जमा करवाकर जबरन ग्रामीण क्षेत्रों में बंधुआ मजदूरों की तरह कार्य करवाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि बॉन्ड की शर्तों के चलते छात्रों पर भारी जुर्माना लगाया जा रहा है, जिससे कई छात्र मानसिक दबाव में आत्महत्या तक कर रहे हैं।

मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित मेडिकल कॉलेजों को छात्रों के शैक्षणिक दस्तावेज तत्काल लौटाने के आदेश दिए हैं। हालांकि, याचिका पर

अंतिम निर्णय बाद में सुनाया जाएगा।

डॉ. वैभव दुआ, डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह और डॉ. पुलकित शर्मा द्वारा दायर याचिका में बताया गया कि उन्होंने एमबीबीएस के बाद एक वर्ष ग्रामीण क्षेत्र में सेवा दी थी और फिर वर्ष 2022 में चिरायु मेडिकल कॉलेज से पीजी में दाखिला लिया। दाखिले के समय उनसे एक बॉन्ड भरवाया गया, जिसमें पांच साल तक ग्रामीण क्षेत्र में सेवा देना अनिवार्य किया गया। शर्तों का उल्लंघन करने पर ?50 लाख का जुर्माना निर्धारित किया गया था और जुर्माना न भरने की स्थिति में शैक्षणिक दस्तावेज रोक लिए जाते हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य संघी ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी करते हुए बताया कि इस मुद्दे को लोकसभा में भी उठाया गया था। इसके बाद नेशनल मेडिकल कमीशन ने बॉन्ड व्यवस्था को अव्यवहारिक और अनुचित करार देते हुए राज्य सरकार को पत्र भेजा था। कमीशन द्वारा गठित नेशनल टास्क फोर्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बॉन्ड की भारी भरकम राशि के कारण कई मेडिकल छात्र डिप्रेशन में आकर आत्महत्या कर रहे हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर मानवता के सेवकों को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस 2025 के अवसर पर किसी भी संकट की घड़ी में मानवता की सेवा में तत्पर स्वयंसेवकों को सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि विश्व बंधुत्व और मानव कल्याण की भावना से कार्य करने वाले ये स्वयंसेवक समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के स्वयंसेवक विपरीत परिस्थितियों में भी मानव जीवन की रक्षा और सहायता के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। संकट में फंसे नागरिकों को राहत पहुंचाना, जीवन रक्षक सहायता देना और सामाजिक समरसता बनाए रखना इनका परम कर्तव्य है। ऐसे सेवाभावी लोग मानवता के सच्चे प्रहरी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे समाज सेवा के कार्यों में आगे आएं और जरूरतमंदों की सहायता करें। विश्व रेडक्रॉस दिवस हर साल 8 मई को मनाया जाता है, जो रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यूनेंट की जयंती का प्रतीक है। यह दिन मानव सेवा, करुणा और दया के मूल्यों को सम्मानित करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रदेश में 15 हजार ईको क्लब गठित प्रति विद्यालय पर्यावरण की दृष्टि से 35 पौधों का रोपण

भोपाल। प्रदेश में बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिये विद्यालयों में ईको क्लब का गठन लगातार किया जा रहा है। अब तक 15 हजार ईको क्लब का गठन किया जा चुका है। प्रदेश में वर्ष 2022-23 से यूथ एण्ड ईको क्लब के गठन के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये थे। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष ईको क्लब की गतिविधियों के संबंध में कैलेण्डर जारी किया जाता है। शैक्षणिक सत्र-2024-25 में 5 से 12 जून, 2024 तक राज्य में पर्यावरण सप्ताह के अंतर्गत समर कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान, जल शक्ति अभियान, सम्पोषणीय जीवन-शैली संबंधित गतिविधियाँ, ईको हेकाथॉन के साथ निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गयीं। निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक जीवित गवाह, एक पेड़ की नजर से रखा गया था। स्कूलों में शैक्षणिक-सत्र 2025-26 के लिये पर्यावरण पर केन्द्रित कैलेण्डर तैयार किया जा रहा है। कैलेण्डर के अनुसार ईको क्लब में विद्यार्थियों की गतिविधियाँ सुनिश्चित की जायेंगी।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की मिलेगी छूट

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में छूट प्रदान की जाएगी। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जाएगी। कंपनी ने कहा है कि यह छूट एलवी उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। एल.वी.-1 घरेलू और एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट पीक ऑवर्स (सुबह) 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसी तरह एल.वी.-2: गैर-घरेलू और एल.वी.-4: एल.टी. औद्योगिक ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। उपरोक्त दोनों ही श्रेणियों में यह छूट 10 किलोवाट से अधिक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी। वहीं स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जिसमें एल.वी.-1 घरेलू, एल.वी.-2 गैर घरेलू, एल.वी.-3 सार्वजनिक जल कार्य और स्ट्रीट लाइट और एलवी-4 एलटी औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए ऑफ पीक/ सौर समय सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड / अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को ही मिलेगी।

गांधी सागर बांध से 891.944 एमसीएम पानी छोड़ने की अनुमति जारी, निर्धारित शर्तों पर जारी की गई अनुमति

भोपाल। मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग जयपुर द्वारा प्रदत्त अनापत्ति एवं अनुशंसा के तहत ग्रीनको ग्रुप द्वारा 1920 मेगावॉट पम्प स्टोरेज परियोजना के निर्माण के लिये गांधीसागर बांध से 891.944 एमसीएम जल प्रवाहित करने की निर्धारित शर्तों पर अनुमति जारी की गई है। प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग भोपाल विनोद कुमार देवड़ा ने मुख्य अभियंता जल संसाधन उज्जैन को निर्धारित शर्तों के अधीन पेयजल, सिंचाई और औद्योगिक उपयोग के लिए आवश्यक जल गांधीसागर बाँध में संग्रहित रखने के निर्देश दिये हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि बाँध से जल प्रवाहित करने के लिए निर्धारित ऑपरेशन मैन्यूअल/बाँध सुरक्षा के मापदण्डों का पालन करना होगा।

अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित बजट का शत-प्रतिशत करें उपयोग : चौहान

विजय मत, भोपाल

अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने कहा कि विभाग में जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित बजट का शत-प्रतिशत उपयोग करें। आवंटित बजट का उपयोग शासन की मंशानुरूप अनुसूचित वर्ग के नागरिकों के कल्याण में किया जाए। यह बात मंत्री चौहान ने गुरुवार को मंत्रालय में वित्तीय वर्ष 2025- 26 में बजट प्रावधान एवं व्यय की समीक्षा के दौरान कही। इस अवसर पर उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश भी दिए। प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार, आयुक्त धनंजय भदौरिया, अपर आयुक्त संजय वार्ष्णेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री चौहान ने कहा कि अनुसूचित जाति विभाग अंतर्गत छात्रावासों में रिक्त सीटों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा आगामी मई एवं जून माह में छात्रावासों की रिक्त सीटें भरने के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करें। मंत्री चौहान ने कहा कि छात्रावास अधीक्षकों की कार्यशाला का आयोजन भी आगामी माह किया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्रों में शिक्षकों की पर्याप्त संख्या हो एवं पढ़ाई का स्तर भी प्रतियोगी परीक्षाओं के बदलते स्वरूप के अनुरूप हो, जिससे अनुसूचति जाति वर्ग के अधिक विद्यार्थी इन परीक्षाओं में सफल हो सके। उन्होंने कहा कि संभागवार प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की मांग के अनुसार कार्य योजना बनायी जाए।

मंत्री चौहान के कहा कि इस वित्तीय वर्ष में बजट के संपूर्ण व्यय की माइक्रो प्लानिंग कर बजट खर्च किया जाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना में जन-प्रतिनिधियों की मांगो का भी अनुसरण करें। उन्होंने छात्रावास भवन विहीन छात्रावासों के निर्माण का कार्य शीघ्र से पूर्ण करें, जिससे छात्र- छात्राओं को असुविधा न हो। उन्होंने ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम की भी समीक्षा की। उन्होंने ज्ञानोदय विद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति करने के निर्देश भी दिए। मंत्री चौहान ने इस दौरान विद्यार्थियों के लिए अनुसूचित जाति छात्रावास, आवास सहायता योजना, छात्रवृत्तियां, छात्रावास निर्माण, बाबू जगजीवन राव छात्रावास योजना, संत रविदास स्मारक निर्माण सहित कई विषयों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रमुख सचिव ई. रमेश कुमार ने विगत वर्षों के वित्तीय व्यय, विभागीय कार्यों की जानकारी से अवगत कराया।

मप्र में कृषि और उद्योग का समन्वय आत्मनिर्भरता की दिशा में दूरगामी पहलः चैतन्य काश्यप

विजय मत, भोपाल

एमएसएमई और भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कृषि और उद्योग के समन्वय का अनूठा प्रयोग प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य में नई क्रांति ला रहा है। कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित ÷मध्यप्रदेश में गन्ना फसल एवं शुगर कारखानों के सतत् विकास÷ सम्मेलन में मंत्री काश्यप ने कहा कि खेती भारत की आत्मा है और एमएसएमई विभाग के माध्यम से शुगर फैक्ट्रियों की स्थापना से किसानों को बेहतर मार्केटिंग, तकनीकी सहायता एवं वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीण आर्थिक विकास को नई गति मिल रही है। सम्मेलन में प्रदेश के एमएसएमई और कृषि विभाग के अधिकारी, उद्योगपति तथा किसान प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंत्री काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 3 मई को मंदसौर में आयोजित बड़े कृषि समारोह में कृषि मेले में उद्योगों को शामिल करने का यह पहला प्रयास मध्यप्रदेश की नई दृष्टि को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि सिंचित क्षेत्र 7 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 55 से 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है, जिससे प्रदेश की जीडीपी में कृषि का योगदान उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। प्रभारी मंत्री काश्यप ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने और उत्पादकता के साथ जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध है। शुगर मिलों में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये भूमि, बिजली और ऋण योजनाओं में विशेष रियायतें दी जा रही हैं। इससे कृषि क्षेत्र को बल मिलेगा, बेरोजगारी में कमी आएगी और आर्थिक समृद्धि के नए आयाम खुलेंगे।

पटवारी की गृह तहसील में नहीं होगी पदस्थापना राजस्व विभाग ने नई संविलियन नीति 2025 जारी की

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग ने पटवारियों के अंतर्जिला संविलियन के लिए नई नीति 2025 जारी की है, जिसमें कई नई शर्तें और प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। इस नीति के तहत पटवारी अब अपनी गृह तहसील में पदस्थ नहीं हो सकेंगे और एक बार जिला आवंटित हो जाने के बाद उसमें कोई बदलाव भी संभव नहीं होगा। नीति में यह भी उल्लेख है कि यदि संविलियन आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर पटवारी उपस्थिति नहीं देता है, तो आदेश निरस्त माना जा सकता है। संविलियन प्रक्रिया पर विभाग का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

पटवारी परीक्षा 2022 के परिणाम 16 फरवरी 2024 से पहले नियुक्त पटवारी ही सामान्य स्थिति में संविलियन के लिए पात्र होंगे। इसके बाद नियुक्त पटवारी केवल विशेष परिस्थितियों जैसे पति/पत्नी का शासकीय पदस्थापन, गंभीर बीमारी या आपसी आधार पर ही आवेदन कर सकेंगे।

संविलियन के बाद जिला कलेक्टर द्वारा तहसील में पदस्थापना की जाएगी, लेकिन गृह तहसील में किसी भी पटवारी की पदस्थापना नहीं की जाएगी।

आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए उनको आयुक्त भूअभिलेख को ऑनलाइन देना होगा। ऑफलाइन आवेदन या दस्तावेज स्वीकार नहीं होंगे। आवेदन में विशिष्ट श्रेणी जैसे चयन का वर्ग एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, अनारक्षित एवं उपवर्ग ओपन, महिला, भूतपूर्व सैनिक, दिव्यांग बताना होगा। संविलियन उन्हीं जिलों में होगा, जहां रिक्त पद उपलब्ध होंगे और आरक्षण नियमों एवं जिला रोस्टर का पालन किया जाएगा। एक बार जिला आवंटित हो जाने पर फिर से जिला परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी और पटवारी को अनिवार्यतः कार्यभार ग्रहण करना होगा। नवीन जिले में कार्यभार ग्रहण करने के बाद पटवारी की वरिष्ठता उसकी प्रथम नियुक्ति तिथि से मानी जाएगी और विभागीय दायित्व भी वहीं से होंगे।

मालेगांव ब्लास्ट का फैसला 31 जुलाई तक टला

भोपाल। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट मामले में फैसला टल गया है। गुरुवार को एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से दोषियों को सजा सुनाने के लिए 31 जुलाई तक का समय मांगा है। माना जा रहा है कि अब एनआईए कोर्ट 31 जुलाई को फैसला सुनाएगा। इससे पहले गुरुवार सुबह मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह समेत सभी आरोपी और पीड़ित कोर्ट पहुंचे। केस की मुख्य आरोपी भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर हैं। साध्वी के अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत कुल 12 आरोपी हैं, जिन पर आतंकी साजिश, हत्या, धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोप हैं। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी और 101 घायल हुए थे। शुरुआत में मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। साल 2011 में केस नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंप दिया गया। एनआईए ने प्रज्ञा सिंह समेत केस के आरोपियों को क्लीनचिट दे दी थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में एनआईए ने यू-टर्न लेते हुए मुंबई की स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि आरोपियों को बेकसूर मानने की बात गलत है, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

आपदा प्रबंधन के लिए इंदौर में बनेगी सेल, हर वार्ड में नियुक्त होंगे आपदा मित्र

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

इंदौर नगर निगम की महापौर परिषद बैठक गुरुवार को संपन्न हुई। जिसमें आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद शहर में हुई मॉकड्रिल और ब्लैक आउट को लेकर शहवरासियों को धन्यवाद दिया गया। बैठक में तय हुआ कि तेज आंधी, बाढ़, युद्ध सहित अन्य आपदा के समय त्वरित काम हो, इसके लिए एक सेल गठित किया जाए। हर वार्ड में आपदा मित्र नियुक्त करने पर भी सहमति बनी।

मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने बताया कि हर वार्ड में आठ से दस आपदा मित्र होंगे,जो इस तरह के हालातों के समय मोर्चा संभालेंगे और आम लोगों की मदद करेंगे। इस सेल के लिए जरुरी संसाधन भी खरीदे जाएंगे। बैठक में शहर के उद्यान, डिवाइडर और ग्रीन बेल्ट को भी सामाजिक संस्था व संगठनों को गोद देने पर सहमति बनी। शहर में रेहड़ी, और ठेला चलाने वालों के सर्वे उनके पंजीयन और परिचय पत्र जारी करने पर फैसला हुआ।

इसके लिए एजेंसी तय की गई है, जो सर्वे कर निगम को जानकारी देगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक हजार से अधिक आवास ग्राम सिंदोड़ा में बनाए जाएंगे। इस योजना को मंजूरी बैठक में दी गई है। यशवंत सागर की जलप्रदाय क्षमता बढ़ाने से प्रभावित डूब क्षेत्र के कृषकों को मुआवजा देने पर भी सहमति प्रदान की गई।

खास-खबर एआई आधार-अनुप्रयोग, डिजिटल गवर्नेंस और तकनीकी नवाचारों से प्रशासन को गतिशील बनाने पर मंथन

मध्यप्रदेश में 'एआई भारत @MP' कार्यशाला का शुभारंभ

विजय मत, भोपाल

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जयंती वर्ष आयोजनों की श्रृंखला में मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से ÷एआई भारत @ MP - कार्यशाला- नवाचार, आधार और राज्य परामर्श के साथ सुशासन में तीव्रता÷ विषय पर 2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार प्रातः कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) में किया गया। कार्यशाला में केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ नीति-निर्माता, तकनीकी विशेषज्ञ, शिक्षाविद एवं विभिन्न विभागों के 300

से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में एआई अनुप्रयोगों पर आधारित एक्सपीरियंस जोन भी स्थापित किया गया।

प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश उन कुछ राज्यों में से एक है जहां एआई पर तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। राज्य ने एआई तकनीक का उपयोग प्रशासन में करना प्रारंभ किया है। उन्होंने कहा कि आईटी और रिन्युएबल एनर्जी सबसे अधिक गति से बढ़ने वाले सेक्टर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहाँ संपदा 2.0 पोर्टल से घर बैठे ही ई-रजिस्ट्री की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला राज्य के एआई आधारित आगामी कार्य योजनाओं के लिये भविष्य के लिय महत्वपूर्ण कड़ी है। एमपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक आशीष वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह केवल कार्यशाला नहीं है बल्कि मध्यप्रदेश को एआई नवाचार में अग्रणी बनाने के दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे भविष्य में प्रवेश करने जा रहे है जहां प्रशासन का आधार ,द्ध-ड्रिवन सेवाओं के वितरण, स्मार्ट समावेशन है। इंडिया एआई के जनरल मैनेजर कार्तिक सूरी ने बताया कि इंडिया एआई ने डेटा और एआई लैब के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग बढ़ाने के लिये प्रयास किये जा रहे है।

प्रदेश के 22 जिलों में तेज आंधी का अलर्ट, 6 जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरने का अनुमान

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश का मौसम बदला हुआ है लगातार प्रदेश में बारिश ओले गिर रहे हैं। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश के ऊपर दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन, एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस और एक टर्फ एक्टिव है। इस वजह से ओले, बारिश और आंधी का दौर चल रहा है। गुरुवार को भी ऐसा मौसम रहेगा। पश्चिमी हिस्से यानी, इंदौर संभाग के 6 जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। इनमें खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर और झाबुआ शामिल हैं। वहीं, इंदौर, जबलपुर समेत 22 जिलों में तेज आंधी का अलर्ट है। इनमें श्योपुर, मुरैना, भिंड, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, उज्जैन, देवास, शाजापुर, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी,

अनूपपुर, शहडोल, सिंगरौली में है।

बुधवार को प्रदेश के मौसम का मिजाज बदला रहा। कई जिलों में बारिश हुई और आंधी चली। जिससे दिन के तापमान में भी गिरावट हुई है। इंदौर में पारे में 3.8 डिग्री की गिरावट के बाद 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर पचमढ़ी से भी ठंडा रहा। पचमढ़ी में तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। किसी भी शहर में तापमान 40 डिग्री के पार नहीं पहुंचा। नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा 39.6 डिग्री पहुंचा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com